Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24
website- www.dvpnews.in
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 274 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 23 अप्रैल 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा की रक्षा के लिए परिग्रह जोड़ना अभिशाप है।

For protection of nonviolence hoarding of wealth is is a curse.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

25 अप्रैल 2025 से स्कूलों में ग्रीष्म अवकाश की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। 25 अप्रैल 2025 से स्कूलों में गर्मी छुट्टी का ऐलान कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश में लिखा है, वर्तमान में प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी व लू के कारण छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन एतद् द्वारा शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त, अशासकीय शालाओं हेतु घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुये, 25.04.2025 से 15.06.2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करता है। यह आदेश शिक्षकों हेतु लागू नहीं होगा तथा विभागीय समसंख्यक आदेश की शेष कण्डकाएं यथावत रहेंगी।

पहलगाम आतंकी हमले में राजधानी रायपुर के व्यापारी को लगी गोली

रायपुर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसने पूरे देश को दहला दिया है. इस आतंकी हमले में राजधानी रायपुर के एक बिजनेसमैन को भी आतंकी के गोली मारने की सूचना है. रायपुर के रहने वाले इस बिजनेसमैन के बेटे शौर्य मिरानिया से इसकी पुष्टी की. शौर्य ने बताया कि उसके पिता को आतंकियों ने गोली मारी है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वे राजधानी रायपुर के समता कॉलोनी में रहते है.

मुख्यमंत्री साय ने महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

तेजी से अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सड़कों, पुल-पुलियों व भवनों के निर्माण कार्य पूर्ण करने निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को तेजी से कार्य करते हुए अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सड़कों, पुल-पुलियों एवं भवनों के काम पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख सड़कों पर तेज और सुरक्षित यातायात पर जोर दिया। उन्होंने एआई और नवीन तकनीकों के उपयोग से खराब सड़कों के त्वरित चिन्हांकन व मरम्मत के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरूण साव और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बैठक में सड़कों और पुल-पुलियों के काम आगामी पांच साल की कार्ययोजना को ध्यान में रखते हुए त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों और वृहद पुलों के कार्यों को भू-अर्जन के बाद डेढ़-दो वर्षों में अनिवार्यत: पूर्ण करने को कहा। उन्होंने शहरों के नजदीक बनने वाले बाइपास और रिंगरोड में पर्याप्त संख्या में ओव्हरब्रिजों और अण्डरब्रिजों का निर्माण करते हुए इन्हें एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर विकसित करने के निर्देश दिए। इससे यातायात तेज और सुरक्षित होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर को विशाखापट्नम से जोड़ने बन रहे एक्सप्रेस-वे से रायपुर-जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने अच्छी गुणवत्ता के कनेक्टिंग-रोड्स बनाने के निर्देश दिए, ताकि इस एक्सप्रेस-वे का अधिक से अधिक लाभ राज्य के लोगों को मिल सके।

- राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख सड़कों पर तेज और सुरक्षित यातायात पर जोर दिया
- एआई और नवीन तकनीकों के उपयोग से खराब सड़कों के त्वरित चिन्हांकन और मरम्मत के दिए निर्देश
- नए विधानसभा भवन में सिविल एवं विद्युत यांत्रिकी का 95 प्रतिशत काम पूरा

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी बड़ी एवं महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए एक-एक डेडीकेटेड वरिष्ठ अधिकारी नामांकित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में तेजी लाने एनएचएआई के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करने को कहा। उन्होंने आगामी तीन वर्षों में 30 हजार करोड़ रूपए के सड़क विकास के कार्यों को पूर्ण करने के लक्ष्य के साथ काम करने को कहा। उन्होंने नए बजट में प्रावधानित कार्यों की प्राथमिकता तय करते हुए शीघ्र ही उनके इस्टीमेट, डीपीआर और टेण्डर की कार्यवाही पूर्ण करते हुए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। श्री साय ने पुल-पुलियों के रखरखाव एवं मरम्मत की प्रभावी व्यवस्था बनाने को भी कहा। उन्होंने इसके लिए आवश्यक प्रोटोकाल तैयार कर कड़ाई से अमल करने को कहा। उन्होंने एआई और नवीन तकनीकों के उपयोग से खराब सड़कों की तुरंत पहचान के लिए सिस्टम तैयार करने को कहा। इससे सड़कों के संधारण एवं त्वरित मरम्मत में मदद मिलेगी। उन्होंने खदान क्षेत्रों में सड़कों के मजबूतीकरण पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने बस्तर में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने वहां निर्माणाधीन सड़कों और पुल-पुलियों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। नई सड़कों और पुलों के निर्माण से सुदूर वनांचलों के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जुड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को वर्तमान समय की जरूरतों और लाइफस्टाइल के अनुरूप सर्किट हाउसों और विश्राम गृहों को अपग्रेड करने के निर्देश दिए। उन्होंने इनके अच्छे रखरखाव के साथ ही साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को सुधारने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि नया रायपुर में निर्माणाधीन विधानसभा के नए भवन का 95 प्रतिशत सिविल एवं विद्युत यांत्रिकी कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इन कार्यों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में प्रगतिरत राष्ट्रीय राजमार्गों, एनएचएआई द्वारा किए जा रहे कार्यों, निर्माणाधीन सड़कों, पुल-पुलियों एवं भवनों की प्रगति, खेल विभाग के अधोसंरचना निर्माण कार्यों तथा सीआरआईएफ, आरआरपी (एलडब्ल्यूई) तथा आरसीपीएलडब्लूईए योजनाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए।

यूपीएससी की परीक्षा में छत्तीसगढ़ के युवाओं ने दिखाया जोर, बिलासपुर की पूर्वा अग्रवाल को मिला 65वां रैंक

मुंगेली के अर्पण, बस्तर की मानसी और अंबिकापुर के केशव ने भी मारी बाजी

रायपुर (आरएनएस)। यूपीएससी सिविल सर्विस का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। जो उम्मीदवार साल 2024 की यूपीएससी इंटरव्यू में शामिल हुए थे वे अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं। यूपीएससी की परीक्षा में बिलासपुर की पूर्वा अग्रवाल को 65वां रैंक मिला है। मुंगेली के अर्पण चोपड़ा ने 313वां रैंक हासिल किया है। वहीं बस्तर के जगदलपुर की मानसी जैन ने 444वीं रैंक और अंबिकापुर के केशव गर्ग ने 496वीं रैंक हासिल किया है। अंबिकापुर के बौरीपारा निवासी शची जायसवाल शामिल हैं।

बिलासपुर की रहने वाली पूर्वा अग्रवाल ने इस बार 65वीं रैंक हासिल की है। इससे पहले यूपीएससी 2023 में वे सीएसई चयनित हुई थी, उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला था। तब उन्हें 2023 में 189वीं रैंक मिली थी। लगातार दो बार सफलता प्राप्त करना पूर्वा की मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। जगदलपुर के निर्मल विद्यालय से पढ़ी मानसी जैन ने यूपीएससी क्रैक की है। उन्होंने 444वीं रैंक हासिल कर अपने जिले और पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है. 2014 में वे एमटेक आईआईटी धनबाद से की, जिसके बाद वे दिल्ली के जीतो संस्था में यूपीएससी की कोचिंग ली। मानसी पिछले साल भी यूपीएससी क्रैक कर चुकी थी, लेकिन यूपीएससी के इंटरव्यू में वे सफल नहीं हुई थी। दूसरे अटेम्ट में वे सफलता हासिल की है। मुंगेली के अर्पण चोपड़ा ने यूपीएससी 2024 के फाइनल रिजल्ट में 313वां रैंक हासिल किया है। अर्पण चोपड़ा मुंगेली नगर पालिका के कांग्रेस पार्षद अभय चोपड़ा के भाई हैं। फिलहाल वो दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

यूपीएससी में चयनित सभी अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा-2024 में सफलता प्राप्त करने वाले छत्तीसगढ़ के सभी अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी चयनित युवाओं ने न केवल अपने परिजनों, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का गौरव बढ़ाया है। यह सफलता आपकी मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास का प्रतीक है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी युवा साथी पूरी ईमानदारी एवं तन्मयता से कार्य करते हुए जनता की सेवा करेंगे और देश-प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज विशेष रूप से पूर्वा अग्रवाल जिन्होंने 65वां रैंक प्राप्त किया है,से दूरभाष पर संवाद कर उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने उनके दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि आपने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। यह पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर समस्त युवाओं से आग्रह किया कि वे इन सफल प्रतिभाओं से प्रेरणा लें और सतत प्रयासों से अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

पीएम मोदी के विमान का सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में अनोखा स्वागत, एस्कॉर्ट कर जेद्दा तक लेकर पहुंचे एफ15 लड़ाकू विमान

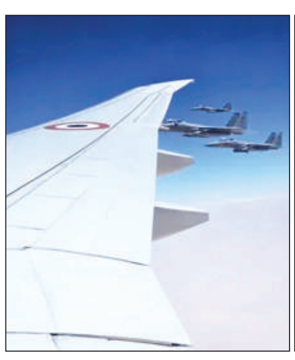

जेद्दा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय सऊदी अरब के दौरे पर हैं. पीएम मोदी सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर मंगलवार सुबह सऊदी अरब के लिए रवाना हुआ. जहां पीएम मोदी का अद्भुत स्वागत किया गया. दरअसल, पीएम मोदी का विशेष विमान जैसे ही सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में पहुंचा, रॉयल सऊदी वायु सेना के F15 लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी को एस्कॉर्ट किया और जेद्दा तक लेकर पहुंचे. बता दें कि इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी दो दिनों तक जेद्दा में ही रहेंगे. जहां वह सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करेंगे. इसके साथ ही दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बातचीत होगी और समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे. बता दें कि पीएम मोदी तीसरी बार सऊदी अरब के दौरे पर हैं. हालांकि तीसरे कार्यकाल में उनकी ये पहली सऊदी यात्रा है. जबकि पीएम मोदी पहली बार जेद्दा पहुंचे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शेयर की तस्वीर : विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने F15 लड़ाकू विमानों द्वारा पीएम मोदी के विमान को एस्कॉर्ट करने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की. उन्होंने तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, दोस्ती की उड़ान ऊंची! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के लिए एक विशेष इशारे के रूप में, उनके विमान को सऊदी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही रॉयल सऊदी वायु सेना द्वारा एस्कॉर्ट किया गया। इससे पहले पीएम मोदी के दिल्ली से जेद्दा रवाना होने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट किया.

हमारे डीएनए में ही है गलत के खिलाफ आवाज उठाना, बीजेपी बोल रही है झूठ: सुप्रिया श्रीनेत

रायपुर (विसं)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत केंद्र सरकार पर हमला बोला है. सुप्रिया श्रीनेत ने रायपुर में इस मामले को लेकर प्रेसवार्ता ली. सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि देश भर में पत्रकार वार्ता करना बहुत जरूरी है. हम महात्मा गांधी की पार्टी है इसलिए सत्य बोलते हैं. सच आखिरकार सामने आ ही जाता है. सुप्रिया श्रीनेत ने इलेक्शन कमीशन समेत देश की जांच एजेंसियों पर सवाल खड़े किए हैं. श्रीनेत ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नाम कैसे जोड़ा. इसका खुलासा होना चाहिए. जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रही थी. उस समय नेशनल हेराल्ड और नवजीवन जैसे अखबार ने आजादी के महानायकों की कहानी सच्चाई छापी थी. जिस तरह ब्रिटिश सरकार नेशनल हेराल्ड से चिढ़ती थी वैसे ही पीएम मोदी भी चिढ़ते हैं.

फ्लैट स्टील आयात पर 12 प्रतिशत सेफगार्ड ड्यूटी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम : नवीन जिन्दल

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्र सरकार ने घरेलू इस्पात उद्योग की सुरक्षा के लिए फ्लैट स्टील उत्पादों के आयात पर 12 प्रतिशत सेफगार्ड ड्यूटी लगा दी है, जो 21 अप्रैल से अगले 200 दिनों तक प्रभावी रहेगी। इस कदम का उद्देश्य चीन, दक्षिण कोरिया और जापान से सस्ते स्टील आयात को नियंत्रित करना है, जिससे घरेलू इस्पात निर्माताओं को राहत मिले। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज़ द्वारा की गई जांच में पाया गया कि उपरोक्त देशों से स्टील आयात से घरेलू उद्योग को 'गंभीर नुकसान' हो रहा था। गौरतलब है कि भारत, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा इस्पात उत्पादक देश है, वित्त वर्ष 2024-25 में तैयार स्टील का शुद्ध आयातक देश बन गया और कुल आयात 95 लाख टन के साथ 9 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इस फैसले का भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) और देश के प्रमुख उद्योगपतियों ने स्वागत किया है। भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष और जिन्दल स्टील एंड पावर के चेयरमैन श्री नवीन जिन्दल ने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मील का पत्थर करार दिया है। उन्होंने कहा कि हम सरकार के इस निर्णायक कदम के लिए आभारी हैं कि फ्लैट स्टील उत्पादों पर 12 प्रतिशत सेफगार्ड ड्यूटी लगाई गई है, जो कि अव्यावहारिक कीमतों पर आ रहे आयात को रोकने के लिए बेहद आवश्यक था। सरकार का यह सहयोग निवेशकों को 2030 तक 300 मिलियन टन की क्षमता निर्माण के लक्ष्य की ओर एक नए जोश के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगा और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए अग्रसर करेगा। हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और इस्पात व इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के प्रति अटूट समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करते हैं।

टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया और जिन्दल स्टील एंड पावर जैसी कंपनियों को इस निर्णय से सीधे लाभ की उम्मीद है। लगातार दूसरे वर्ष स्टील का शुद्ध आयातक बन जाना, देश के इस्पात क्षेत्र के लिए चिंता का विषय बन गया था। ऐसे में यह सेफगार्ड ड्यूटी न केवल एक सुरक्षात्मक उपाय है, बल्कि यह घरेलू विस्तार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक रणनीतिक कदम भी है।

श्री नवीन जिन्दल लंबे समय से इस क्षेत्र के हितों की पुरज़ोर वकालत करते रहे हैं। इस दिशा में उन्होंने नीति-निर्माताओं के साथ संवाद में निर्णायक भूमिका निभाई है। उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रतिबद्धता ने यह सुनिश्चित किया कि देश के इस्पात उद्योग को नीतिगत समर्थन मिले। भारत को 5 ट्रिलियन (खरब) डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह निर्णय एक मजबूत संकेत है कि सरकार घरेलू उद्योगों के साथ खड़ी है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रचा नया कीर्तिमान

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी किये

नई दिल्ली (पीआईबी)। अध्यक्ष केवीआईसी मनोज कुमार ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन में, केवीआईसी की योजनाएं और उपलब्धियां 'विकसित भारत' की सशक्त आधारशिला बन गई हैं।

देश में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त करने वाले खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र ने बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के मार्गदर्शन में न केवल नई ऊँचाइयों को छुआ है, बल्कि करोड़ों ग्रामीणों के जीवन में भी नयी रोशनी का संचार किया है। पूज्य बापू की विरासत खादी अब केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण का प्रतीक बन चुकी है। सोमवार को नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए यह बातें अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वित्तवर्ष 2024-25 में उत्पादन, बिक्री और नये रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है। बीते 11 वर्षों में बिक्री में 447 प्रतिशत, उत्पादन में 347 प्रतिशत और रोजगार सृजन में 49.23 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 में वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 399.69 प्रतिशत और उत्पादन में 314.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी।

अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी के इस शानदार प्रदर्शन ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने और भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय पूज्य बापू की प्रेरणा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी, एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन और देश के सुदूर गांवों में कार्यरत करोड़ों कारीगरों की अथक मेहनत को दिया है। अध्यक्ष केवीआईसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109.07 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में यह करीब चार गुना बढ़कर 347 प्रतिशत के उछाल के साथ 116599.75 करोड़ रुपये पहुंच गया। जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में बिक्री जहां 31154.19 करोड़ रुपये थी, वहीं करीब पांच गुना बढ़कर 447 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि के साथ यह वित्त वर्ष 2024-25 में 170551.37 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो कि अब तक की सर्वाधिक बिक्री है।

भारतीय मानक ब्यूरो ने एमओयू साझेदार संस्थानों के छात्रों के लिए 500 इंटर्नशिप की घोषणा की

उद्योगों में मानकीकरण पर जागरूकता और व्यावहारिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम

सम्मेलन में भारतीय शिक्षा जगत में गुणवत्ता और मानक संस्कृति को शामिल करने की नई प्रतिबद्धता चिह्नित

मानकः पथप्रदर्शकः

दिल्ली (पीआईबी)। राष्ट्रीय मानक निकाय भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने मानकीकरण के क्षेत्र में अपने साझेदार संस्थानों के 500 छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसरों की घोषणा की है। यह घोषणा हाल ही में आयोजित बीआईएस मानकीकरण अध्यक्षों और एमओयू साझेदार संस्थानों के नोडल संकाय के वार्षिक सम्मेलन में की गई।

यह इंटर्नशिप 4 वर्षीय डिग्री कोर्स, 5 वर्षीय एकीकृत डिग्री कोर्स, स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को दी जाएगी। 8 सप्ताह की इस इंटर्नशिप में दो प्रमुख उद्योगों में पूर्व-मानकीकरण कार्य, बीआईएस कार्यालयों के सहयोग से क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) अनुपालन सर्वेक्षण और बड़े पैमाने की इकाइयों, एमएसएमई और प्रयोगशालाओं का दौरा शामिल होगा। छात्र विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं, कच्चे माल, इन-प्रोसेस नियंत्रण और उत्पाद की गुणवत्ता और अनुरूपता मूल्यांकन के अन्य पहलुओं पर विस्तृत अध्ययन करेंगे।

बीआईएस के महानिदेशक श्री प्रमोद कुमार तिवारी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि यह साझेदारी शिक्षा जगत में गुणवत्ता और मानकीकरण की संस्कृति को समाहित करने के लिए एक साझा राष्ट्रीय मिशन है। बीआईएस के उप महानिदेशक (मानकीकरण) श्री राजीव शर्मा ने संस्थानों को कार्य-उन्मुख सहयोग को बढ़ावा देने और देश की गुणवत्ता प्रणाली में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मेलन में पाठ्यक्रम एकीकरण, मानक निर्माण, मानक क्लबों के माध्यम से छात्र सहभागिता और अन्य प्रचार गतिविधियों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। एक ओपन हाउस चर्चा में, साझेदार संस्थानों ने अकादमिक सहयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव मॉडलों को साझा किया। इस कार्यक्रम का समापन भारतीय शिक्षा जगत में मानकीकरण की संस्कृति को मजबूत करने तथा छात्रों और संकायों को राष्ट्रीय और वैश्विक गुणवत्ता प्रणालियों के साथ सार्थक रूप से जुड़ने के लिए सशक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

सम्मेलन में 58 साझेदार संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें पांच संस्थानों-आईआईटी रुड़की, एसएसईसी चेन्नई, एनआईटी जालंधर, एसवीसीई चेन्नई और पीएसएनएसीईटी डिंडीगुल को एमओयू के अनुसार बीआईएस से संबंधित गतिविधियों में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

बीआईएस-एकेडेमिया इंटरफेस की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल

मानकीकरण मॉड्यूल को 15 संस्थानों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। 130 से अधिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं। 50 से अधिक संस्थानों ने बीआईएस कॉर्नर और अकादमिक डैशबोर्ड स्थापित किए हैं। 52 संस्थानों में कुल 198 मानक क्लब बनाए गए हैं। राष्ट्रीय क्विज़ में 74 संस्थानों के 3,400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए 500 विद्यार्थियों की इंटर्नशिप की योजना बनाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

पीपला ने पिलाया 800 लोगों को नींबू शरबत, हर दिन हजारों लोगों को उपलब्ध करा रहे ठंडा जल

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को सामाजिक संस्था पीपला फाउंडेशन के सदस्यों ने भीषण गर्मी को देखते हुए आरंग के बस स्टैंड में करीब 800 से अधिक लोगों को नींबू, पदिना व जलजीरा का शरबत पिलाया?। फाउंडेशन की इस पहल को राहगीरों और लोगों ने मुक्त कंठ से सराहा। इस मौके पर फाउंडेशन के सदस्यों ने लोगों को जल ही जीवन है का संदेश दिया।साथ ही जल के महत्व बताते हुए गर्मी में अधिक से अधिक पानी पीते रहने को प्रेरित किया। वहीं अंचल के सुप्रसिद्ध लोक गायक गोविंदा साहू पहुंचकर फाउंडेशन द्वारा हर दिन नए रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं, बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा गीत गाकर शमा बांधा। जो राहगीरों के लिए आकर्षण केन्द्र बना रहा।साथ ही जनमानस से पीपला फाउंडेशन जैसे सेवाभावी संस्था को बढ़-चढकर सहयोग करने की अपील किए। वहीं यात्रियों ने शासन-प्रशासन से बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर शुद्ध डंठा पेयजल की व्यवस्था करने की मांग किए। जिससे लोगों को गर्मी में सुलभता से ठंडा जल उपलब्ध होते रहे। ज्ञात हो कि यह संस्था जलदान महाअभियान मुहिम के तहत् नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में भी मूक जानवरो के लिए जगह-जगह जलपात्र रख तथा महासमुंद में एक व आरंग में चार जगहों पर वाटर कूलर लगाकर लोगों को नियमित ठंडा पेयजल जल उपलब्ध करा रहें हैं। वहीं आरंग एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा ने पीपला द्वारा विभिन्न सामाजिक कार्यों की सराहना किए हैं।

ओयो होटल ब्लू स्काई, नेचुरल प्वांइट, कृष एवं अन्य पर निगम की टीम ने की कार्यवाही लगाया 22200 का अर्थदण्ड

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। ऐसी शिकायत मिल रही थी कि ओयो होटल के विभिन्न शाखाओं में साफ-सफाई एवं खादय सामग्री ठीक से उपयोग नहीं किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई की टीम आज मौके पर निरीक्षण करने गई, तो पता चला ओयो होटल नेचुरल प्वाइंट द्वारा अनुज्ञप्ति लाईसेंस नहीं लिया गया था, दुसरे के नाम पर होटल संचालित किया जा रहा था। जबकि किसी भी व्यवसाय को करने के लिए अनुज्ञप्ति लाईसेंस लेना अनिवार्य होता है। उसके उपर कार्यवाही करते हुए 15000 का अर्थदण्ड लगाया गया और उसे तत्काल नियमानुसार अनुज्ञप्ति लाईसेंस लेने के लिए निर्देशित किया गया। ओयो होटल ब्लू स्काई, कृष होटल में साफ-सफाई मानक के अनुसार नहीं पाये जाने पर 6000 रूपये का चालानी कार्यवाही की गई। संबंधित को चेतावनी दी गई की जो भी सामान का उपयोग करे, वह ताजा हो। पहले से कटी हुई बासी सब्जी कई दिनो का बना हुआ पेस्ट, आटा, टमाटर, धनीया, मिर्चा, शिमला मिर्च का उपयोग बंद करें। इससे खाने वाले के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। जो भी बासी सामान मिले उसे जप्ती बनाकर डिस्पोज करवाया गया। उन्हे चेतावनी दी गई की दुबारा इस प्रकार की कमी पायी जायेगी तो नगर निगम अधिनियम 1956 की धाराओ के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। होटल के मैंरेजर ने भी स्वीकार किया की खाना बनाने वाले बावर्ची से ही लापरवाही हुई है अब नहीं होगा। हम लोग मानक के अनुसार खादय सामग्री का उपयोग करेगें। इसी प्रकार सिंगलयूज प्लास्टिक उपयोग एवं गंदगी फैलाने वालो पर भी कार्यवाही की गई। फल ठेला, सिद्वार्थ जनरल स्टोर, कुंज बिहारी जनरल स्टोर, कनिष्का फैंसी स्टोर से 1200 रूपये का अर्थदण्ड वसूल कर रसीद प्रदान किया गया। कार्यवाही के दौरान स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, लिपिक संजय गायकवाड़, क्रिस्टोपर अर्जुन, वार्ड सुपरवाइजर अमित आदि उपस्थित रहे।

अमृत भारत ट्रेन : अमृत काल की अनुपम सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। जो आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं।

अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिज़ाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है।

पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है।

तकनीक से बढ़ी सुरक्षा- अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और श्वक्क-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।

हर स्थिति में आरामदायक यात्रा- अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक काउपलर का उपयोग किया गया है। ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है।

रफ्तार के सारथी 2 इंजन- यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का सारथी बनाती है।

यात्री सुविधाओं की सौगात- 2.0 ट्रेन को सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ अपडेट किया गया है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, 160व्यह्न एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके।

एक नजर में- गति अधिकतम 130 किमी/घंटा, पूरी तरह सील गैंगवे, अधिक गद्देदार बर्थ, 22 कोच वाली ट्रेन, मिडिल क्लास और अंत्योदत्य को तोहफा, 1000 चरूकी यात्र करीब 450 रुपये में संभव।

पहली बार- LHB कोच में इमरजेंसी टॉकबैक सिस्टम। भारतीय रेल में सेमी-ऑटोमैटिक काउपलर टाइप 10 हेड। नॉन एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम। भारतीय रेल में बाहरी इमरजेंसी लाइट्स। नॉन एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम। नॉन एसी कोच में EP-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम।

स्वदेशी अभियान- अमृत भारत ट्रेन मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में निर्माण किया गया है।

जो लोग अक्सर अपने काम के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करते हैं और जिनकी उतनी आय नहीं है, वे भी आधुनिक सुविधाओं व आरामदायक यात्रा के हकदार हैं। इन ट्रेनों को गरीबों के जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री- अमृत भारत ट्रेनें कम आय वाले और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए हैं। ये बहुत सस्ती सेवा और बहुत उच्च गुणवत्ता वाली यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। **-अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री**

बिहार- दुनिया में ज्ञान की गंगा बिहार के नालंदा और विक्रमशिला से बही। वह बिहार जहां लोकगीतों की मिठास और माटी की सौंधी खुशबू अब भी आत्मा को छू जाती है। यहां का इतिहास जितना गौरवशाली है, भविष्य उतना ही संभावनाओं से भरा है। इस संस्कृति-समृद्ध भूमि के लोगों ने हर युग में भारत के निर्माण में योगदान दिया है। अब भारतीय रेल अमृत भारत ट्रेनों के जरिए उसे गति देते हुए आम आदमी को प्रीमियम यात्रा का अनुभव दे रही है। यह ट्रेन बिहार के मेहनती, संघर्षशील और सपनों से भरे यात्रियों के लिए सम्मान का प्रतीक बनकर आई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 अप्रैल को बिहार को एक और नई उड़ान देने जा रहे हैं। मधुबनी से वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सहरसा से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस तक चलने वाली अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह बिहार की दूसरी अमृत भारत ट्रेन होगी, जो उस बदलाव की गति को और तेज़ करेगी, जिसकी चाहत लंबे समय से इस राज्य के नागरिकों के दिल में रही है। जो बिहार की सांस्कृतिक राजधानी मिथिलांचल को भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधे जोड़ेगी।

बिहार की झोली में 2 अमृत ट्रेनें- दरभंगा से वाया अयोध्या आनंद विहार टर्मिनल (चल रही)। सहरसा से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस (प्रस्तावित)।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार की अध्यक्षता में हुई एमआईसी की बैठक में लिया गया निर्णय

एक देश एक चुनाव का संकल्प एमआईसी में सर्वसम्मति से पारित

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक मेयर श्रीमती अलका बाघमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कक्ष में आयोजित हुई।बैठक में कमिश्नर सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, चंद्रशेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, नीलेशअग्रवाल, शिवनायक, लीलाधर पाल, शशि साहू, हर्षिका जैन, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गोस्वामी, दिनेश नेताम, आर के जैन, गिरीश दीवान सहित अधिकारी/कर्मचारी की मौजूदगी में सबसे पहले बाजार विभाग पार्किंग जुड़े एजेंडों पर चर्चा हुई।इंदिरा मार्केट वाहन शुल्क हेतु 3 वर्षों के लिए निविदा पर चर्चा की गई।इदिरा मार्केट वाहन पार्किंग ठेका व न्यू बस स्टैंड में वाहन पार्किंग ठेका को मेयर श्रीमती अलका बाघमार व परिषद के सदस्यों की सहमति से रेट नही आने के कारण अगले एमआईसी की बैठक में निर्णय हेतु टाला गया।

मेयर इन काउंसिल की बैठक के दौरान परिषद के सदस्यों की सहमति से विवेकानंद भवन एवं कुशा भाउ ठाकरे भवन को लीज में देने का निर्णय लिया गया।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में एक देश एक चुनाव का संकल्प एमआईसी में सर्वसम्मति से सहमति प्रदान किया गया।लोक सभा एवं विधानसभा चुनाव पूरे देश के एक साथ कराने से भारी भरकम खर्च एवं प्रशासनिक कार्यो प्रभावित होने से बचने हेतु एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा के समर्थन में एक प्रस्ताव प्रस्तुत करते है, जिसका उद्देश्य भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। उद्देश्य-एक राष्ट्र, एक चुनाव% का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करना है ताकि समय, संसाधन, और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके।

मठ पारा टप्पा तालाब सहित अन्य स्थानों पर सड़क किनारे पर अवैध अतिक्रमण 10 से अधिक ठेले खोमचे पर चला निगम का बुलडोजर

सड़क किनारे अतिक्रमण तो होगी कार्वाही, स्वयं हटा लें अतिक्रमण

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 3 मठ पारा टप्पा तालाब चौक से स्थित सड़क किनारे शासकीय जमीन पर कब्जा कर रखी गई खोमचे व ठेके को हटाने की कार्वाई नगर निगम ने मंगलवार को की। आयुक्त सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण शाखा और बाजार विभाग टीम ने यहाँ लगभग लाइन से 10 से अधिक अस्थायी और स्थायी गुमटी, ठेले पर चला बुलडोजर, हटाया गया अतिक्रमण।

इस कार्वाई के दौरान अतिक्रमणकारियों ने विरोध किया, लेकिन निगम प्रशासन के सख्ती के आगे उन्हें पीछे हटना पड़ा। दरअसल टप्पा तालाब चौक के पास की शासकीय भूमि पर पहले कुछ लोगों ने अस्थायी रूप से ठेले, टीन शेड और लकड़ी की मदद से दुकानें बनाई थीं।

देखते ही देखते ये कच्चे दुकान पक्की में तब्दील हो गए था।कई लोगों ने तो टीन, ईंट और सीमेंट से स्थायी चबूतरा निर्माण कर लिया था। सड़क किनारे सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा हुआ, बल्कि यातायात और सफाई व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा था। मंगलवार को सुबह निगम की टीम जेसीबी और अमले के साथ मौके पर पहुँची और अतिक्रमण हटाने की कार्वाई शुरू की।

इस दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध करते हुए कार्वाई को रोकने की कोशिश की, लेकिन निगम की सख्ती में काम जारी रहा।कार्वाही के दौरान बाजार विभाग शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, अतिक्रमण प्रभारी अधिकारी परमेश्वर के अलावा बाजार विभाग/अतिक्रमण विभाग अमला मौजूद रहें।टप्पा तालाब में अतिक्रमण के कारण यहाँ अवैध और गैर कानूनी कार्य को भी बढ़ावा मिल रहा था, टप्पा तालाब के आस पास दोबरा अतिक्रमण होने पर जब्ती की कार्वाही होगी।

महापौर श्रीमती अलका बघामार ने शहर में यातायात व्यवस्थित को लेकर दुकान के बाहर सड़क घेरकर व्यवसाय करने वाले तथा सड़क किनारे चौक चौराहों पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालो के अलावा महापौर ने शहर कालोनी क्षेत्र, गली मोहल्ले में लोगो के द्वारा घर के पास नाली के ऊपर तार फ्रेन्सिंग लगाकर गार्डन बनाकर रखा गया उनसे भी अपील की गई है कि नुकसान से बचने के लिए वे अपना अवैध अतिक्रमण स्वयं हटा लें। निगम की कार्वाही में सहयोग करें। सड़क किनारे से अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे को हटाने नगर निगम प्रशासन ने लगातर शहर में अभियान छेड़ा है, शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने आगे भी इसी प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी।

अधिकारी ने बताया कि यह टप्पा तालाब सड़क किनारे उस पर अतिक्रमण कर व्यवसाय किया जा रहा था। कई बार मौखिक रूप से हिदायत देने के बाद भी जब अवैध ठेले खोमचे नहीं हटाए गए, तब निगम को कार्वाई करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि आगे भी शहर के अन्य हिस्सों में सड़क किनारे सरकारी ज़मीन पर अतिक्रमण की शिकायतों पर इसी तरह की सख्त कार्वाई की जाएगी।कार्वाही के दौरान बताया कि कब्जाधारियों को हिदायत दी गई है कि इस सड़क भूमि पर दोबारा निर्माण न करें, नहीं तो कार्वाई होगी।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में स्थित भवन क्रमांक **PEEPAL-II /103 (1) श्री सहीराम जखर पिता श्री मालीराम जखर (2) श्रीमती सुमित्रा जखर पति श्री सहीराम जखर,** के नाम से स्वविततिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड **दिनांक 27.03.2012** को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का **पत्र क्रमांक 8839 दिनांक 12.06.2015** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **(1) श्री सहीराम जखर पिता श्री मालीराम जखर (2) श्रीमती सुमित्रा जखर पति श्री सहीराम जखर, निवासी 6/बी, सड़क-21. सेक्टर-1, वार्ड नं.-38, भिलाई-1, जिला-दुर्ग, (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को केता **(1) श्रीमती किरण पाण्डेय पति श्री मनोज कुमार पाण्डेय, (2) श्री सरिसिज पाण्डेय पिता श्री मनोज कुमार पाण्डेय, निवासी- Type 2nd/03/ F.F. सी.बी.आई. कालोनी, व्ही.आई.पी. रोड माना रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में स्थित भवन क्रमांक BANYAN - II /144 **श्री अरविन्द सिंह पिता श्री धर्मेन्द्र सिंह,** के नाम से एकमुश्त आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की सेलडीड **दिनांक 28.08.2014** को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का पत्र **क्रमांक 2779 दिनांक 28.08.2014** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्री अरविन्द सिंह पिता श्री धर्मेन्द्र सिंह, निवासी मकान नम्बर बनयान-144, हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती दिव्या साहू पति श्री देवेन्द्र कुमार साहू, निवासी मकान नम्बर-20, ग्राम पंचायत के पास, नारी, धमतरी, (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 972 दिनांक 22.04.2025
वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **20** मांग **पंजी क्र. 814 युआईडी 32037** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **शहनाज बानो / अब्दुल जब्बार डगली** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ज्वाला पुरी गोस्वामी / लंकेश्वर पुरी गोस्वामी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 973 दिनांक 22.04.2025
वार्ड का नाम- मां शीतला वार्ड
वार्ड क्र. 16 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **16** मांग **पंजी क्र. 467 युआईडी 19793** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मो. रईस / अ. मी. मोहम्मद** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मोहम्मद हुसैन कापड़िया / हाजी तार मोहम्मद कपाड़िया** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 974 दिनांक 22.04.2025
वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **26** मांग **पंजी क्र. 42 युआईडी 24998** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **निर्मल त्रिपाठी / स्व. रमेश त्रिपाठी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कीर्तन कुमार देवांगन / शिवनारायण देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./18883/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 17-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18883
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445O00036** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **D.K. SAINI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S.R. SAINI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DR. MEGHA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D/O SHRI SANTOSH VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19931/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 16-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19931
वार्ड का नाम- 62 - शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR654F00036** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VIMALA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE.MANSARAM NISHAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIJAY NISHAD** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE MANSA RAM NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20029/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 18-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20029
वार्ड का नाम- 62 - शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR654K00324** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DHANESH PREM LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANTHIR DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DHANESH DHANGAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **MANTHIR DHANGAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAHMATI PATRA & SAPATH PATRA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./19952/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 22-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19952
वार्ड का नाम-29- गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330E00055** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMAR LAL DHAVANA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE ARJUN DAS DHAVANA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. अमित धावना 2. आकाश धावना** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री अमर लाल धवना** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदार **फर्म मेसर्स आइडियल के मिकल्स, पता बढई पारा रोड, तात्यापारा चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़** के एक भागीदार **श्री चन्द्रशेखर अग्रवाल, पिता स्व. श्री सत्यनारायण अग्रवाल निवासी - आस्क रेजीडेंसी, रिंग रोड नंबर 1 ,रायपुर छ.ग.** उक्त फर्म से स्वेच्छा से सेवानिवृत्त **दिनांक 1/04/2025** से हो गए हैं, तथा अब फर्म के शेष भागीदार **श्री चन्द्र प्रताप अग्रवाल पिता श्री सत्यनारायण अग्रवाल और श्रीमती मुक्ता अग्रवाल पत्नी श्री चन्द्र प्रताप अग्रवाल** फर्म में निरंतर भागीदार रहेंगे।

अतः उक्त संव्यवहार के फलस्वरूप यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो । तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर लिखे पते पर सुसंगत दस्तावेज सहित व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत आपत्ति अवैध मानी जाएगी ।

उक्त अनुसार सूचना जाने।
जारी दिनांक 01/04/2025

श्री चन्द्र प्रताप अग्रवाल, पितास्व. श्री सत्यनारायण अग्रवाल फर्म मेसर्स आइडियल के मिकल्स पता बढई पारा रोड, तात्यापारा चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001

लड़कीयो को लाया गया सखी वन स्टॉप सेंटर में

जागरूकता के अभाव में धड़ल्ले से हो रहे हैं बाल विवाह तीन दिनों में प्रशासन ने रूकवाये बाल विवाह

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण की टीम लगातार सक्रिय है। टीम की सक्रियता तीन दिन में आधा दर्जन से ज्यादा बाल विवाह जिले में रोके गये है।

प्रतापपुर के एक गांव में 16 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रोक दिया गया था। बालिका के विवाह रोकने के बाद भी विवाह कर दिया जा रहा है तो प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती संतोषी, तहसीलदार एवं थाना प्रतापपुर के संयुक्त टीम द्वारा जांच करने पर पाया कि विवाह रोकने के बाद भी मण्डप लगा लिया गया है और विवाह के रस्म निभाये जा रहे है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बालिका को रेस्क्यू किया गया। जिसकी जानकारी बाल कल्याण समिति को दी गई और आश्रय के लिए बालिका को सखी वन स्टॉप सेंटर में रखा गया। इसके साथ ही भैयाथान विकासखण्ड के एक गांव में 17 वर्षीय लड़की के विवाह की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची तो पाया की घर अंदर से बंद है और घर में 2-3 औरतें हैं। बाकी सभी अन्यत्र चले गये है। आंगन के जांच करने पर पाया गया कि आंगन में मण्डप लगा था। जिसे तुरत उखाड कर मिट्टी डालकर लिपाई कर दी गयी। घर के निरीक्षण मे पाया गया कि घर के अंदर में तीन भठ्ठे लगाये गये है और बड़ी मात्रा में खाना बन रहा था। सरपंच को बुलाकर समझाईश पर उसके घर वाले उपस्थ्ति हुए। और बताये कि बालिका के जिद

पर विवाह करना पड़ रहा है। बालिका को जब प्रस्तुत किया गया तो ऐसा लग रहा था कि उसका विवाह आज कर दिया जायेगा। उसकी सुरक्षा के बालिका को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत करने के लिए सखी में लाया गया।

एक अन्य प्रकरण में ग्रामीणों की शिकायत पर कोरबा का एक परिवार बालिका को लेकर सूरजपुर से रामानुजनगर विकासखंड में आया हुआ है और बालिका का विवाह कर रहा है। जिला बाल संरक्षण की टीम मौके पर गई और बाल विवाह रोक कर बालिका सहित परिवार की कोरबा रवाना किया और कोरबा में संपर्क कर सुनिश्चित किया की परिवार घर पहुँच गया है। रामानुजनगर विकासखण्ड के एक 17 वर्षीय बालक का बाल विवाह की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची जहीं। जहाँ पता चला की बारात आज ही सरगुजा के लिए चली गयी है। संयुक्त टीम की उपस्थिति में गाँव के सरपच के हस्तक्षेप से बारात को वहाँ से वापस बुलाया गया। तब तक टीम उन्ही के घर बैठी रही। बारात बिना विवाह के वापस आने पर पंचनामा लडके का कथन एवं उसके पिता का कथन लिया गया और विवाह आने वाले चार वर्ष नहीं करने को कहा गया।

तीन दिन में संयुक्त टीम ने प्रतापपुर में 3 बाल विवाह, भैयाथान में 2 बाल विवाह एवं रामानुजनगर में 2 बाल विवाह रोका गया है।

बाल विवाह रोकवाने वाले जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल, जिला बाल संरक्षण इकाई के अखिलेश सिंह संरक्षण अधिकारी, अमित भारिया जैनेन्द्र दुबे, श्रीमती अंजनी साहु, पवन धीवर, चाइल्डलाइन से कार्तिक मजुमदार, सुश्री शीतल सिंह, रमेश साहू, सुश्री नंदनी खटिक महिला एंव बाल विकास विभाग से श्रीमती संतोशी सिंह प्रभारी परियोजना अधिकारी प्रतापपुर, श्रीमती भारती पटेल प्रभारी परियोजना अधिकारी रामानुजनगर, श्रीमती शीला वर्मा पर्यवेक्षक, श्रीमती धनेश्वरी मरावी पर्यवेक्षक, थाना भैयाथान से प्रधान आरक्षक चंदकाता मुंजनी, आरक्षक विनोद प्रताप सिंह, चौकी बसदेई से प्रधान आरक्षक शिवकुमार सारथी, आरक्षक ओस्कर मिंज, शिवराज साय, महिला आरक्षक प्रफुल्ला मिंज, सरपंच सुमित्रा अगरिया उपस्थित थे।

खनिज विभाग ने 40 टन अवैध कोयला के साथ दो वाहन किया जप्त

क्षेत्र में चल रहा है अवैध कोयला चोरी का धंधा फल फूल रहा हैं अवैध ईट भट्ठे

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर जिला के खदान क्षेत्र में कोयला चोरी अवैध रूप से रेत परिवहन जोर शोर से चल रहा है।

आज सूरजपुर कलेक्टर एस जयवर्धन के कड़े निर्देश पर खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा खनिजों के अवैध परिवहन की रोक थाम के लिए कदम उठाया इस कड़ी में ग्राम राजपुर, कुरवाँ क्षेत्रों से अवैध रेत परिवहन करते 2 वाहनों जप्त कर पुलिस थाना जयनगर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है । इन सभी अवैध परिवहनकर्ताओं पर खनिज नियमों के अंतर्गत कार्यवाही की जाने की बात कही जा रही है। ग्राम मानी में खनिज मिट्टी (ईंट) में संयुक्त दल द्वारा कार्यवाही के दौरान लगभग 300000 नग मिट्टी (ईंट) तथा लगभग 40 टन कोयला जप्त कर कर हर बार की तरह औपचारिकता पूर्ण की गई जबकि कोयलांचल क्षेत्र में खुलेआम अवैध रूप से कोयला चोरी की जा रही है कोयला चोरी के सहारे गमले भटे एवं चिमनिया संचालित हो रही है।

हृदय रोग से ग्रस्त बच्चों के लिए नि :शुल्क जांच और उपचार शिविर

29 अप्रैल को जिला चिकित्सालय सूरजपुर और 30 अप्रैल भैयाथान में आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर एस जयवर्धन के दिशा-निर्देशन में आरबीएसके (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) और एसईसीएल की परियोजना 'धड़कन' के संयुक्त तत्वावधान में 0 से 18 वर्ष तक के ऐसे बच्चों, जिनमें जन्मजात हृदय रोग के लक्षण हैं, के लिए एक विशेष नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 29 अप्रैल 2025 को सुबह 09:00 बजे से शाम 05:30 बजे तक जिला चिकित्सालय सूरजपुर और 30 अप्रैल को भैयाथान में आयोजित होगा। इस पहल का उद्देश्य हृदय रोग से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को लाभ पहुंचना है।

इस शिविर में रायपुर स्थित श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। जिन बच्चों में गंभीर लक्षण पाए जाएंगे, उनका नि:शुल्क उपचार और ऑपरेशन सत्य साई अस्पताल में किया जाएगा।

शिविर को सफल बनाने के लिए जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और आरबीएसके दल द्वारा पूर्व में ही ऐसे बच्चों की पहचान कर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, ताकि समय पर जांच सुनिश्चित हो सके।

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई मनमानी पर नकेल, गाडियों पर 21 हजार की पेनल्टी

कोरबा(विश्व परिवार)। मनमानी तरीके से कहीं भी गाडियों को खड़ा कर देने से समस्या पैदा हो रही है और ट्रैफिक्र जाम हो रहा है। ट्रैफिक्र पुलिस में विभिन्न मार्गो पर कार्रवाई करते हुए 21600 की पेनल्टी गाड़ी के चालक पर की। विभिन्न क्षेत्रों में 72 छोटे-बड़े वाहन इस कार्रवाई की चपेट में आए। इनमें ट्रेलर ,हाईवा, ट्रक से लेकर चार पहिया और दोपहिया वाहन शामिल है। ट्रैफिक्र पुलिस की ओर से यह कार्रवाई सीएसईबी रोड, ट्रांसपोर्ट नगर और राताखार मार्ग पर की गई। पुलिस की टीम को मालूम चला कि यहां मनमाने ढंग से कहीं पर भी गाडियों को खड़ा कर दिया गया है और इस वजह से आवागमन की समस्या पैदा हो रही है। लगातार इस तरह के मामले सामने आने पर लोगों ने विभाग को अवगत कराया। ट्रैफिक्र की लोकल टीम ने संसाधन के साथ यहां उपस्थिति दर्ज कराई और ऐसी गाडियों को लॉक कर दिया।

युवाओं को सिपेट में तकनीकी शिक्षा से मिलेगा रोजगार का अवसर

सिपेट में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 29 मई, जून में होगी परीक्षा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है, जो कि भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त प्रयास से औद्योगिक क्षेत्र रायपुर एवं कोरबा छत्तीसगढ़ में स्थापित किया गया है। सिपेट में विभिन्न पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाता है तथा प्लास्टिक उद्योगों के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के शत् प्रतिशत् अवसर प्रदान कराये जाते है। सिपेट में संचालित पाठ्यकमों के सफल

समापन के बाद विद्यार्थियों को कैंपस भर्ती प्रकिया के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित उद्योगों / संस्थानों में प्लेसमेंट मिल जाता है। सिपेट, रायपुर के विद्यार्थी देश के विभिन्न मल्टिनेशनल कम्पनियों में अपनी सेवाएँ भी दे रहे है। सिपेट का उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक, तकनीकी व रिसर्च कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में प्लास्टिक्स प्रसंस्करण व सहायक उद्योगों के लिए तकनीकी कौशल प्राप्त श्रमशक्ति का निर्माण, इस क्षेत्र में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहन देना, गुणवत्ता नियंत्रण, तकनीकी परामर्श समेत मोल्ड्स डाई, प्लास्टिक्स उत्पादों के डिजाइन व प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग व टेक्नालॉजी के क्षेत्र में शोध व विकास को गति देना है। सिपेट द्वारा संचालित पाठ्यक्रम लघु, मध्यम व वृहत निर्माण उद्योग की वर्तमान जरूरतों के अनुरूप है। प्रदेश में 3 साल से कौशल विकास प्रशिक्षण, डिप्लोमा एवं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के माध्यम से युवाओं को रोजगार देने की कोशिश चल रही है। 12 वीं (विज्ञान समूह) या 2 वर्षीय आईटीआई उत्तीर्ण के बाद लेटरल एन्ट्री के माध्यम से द्वितीय वर्ष में सीधा प्रवेश ले सकते है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के छात्र छात्राओं को छत्तीसगढ/मध्यप्रदेश/झारखंड/उत्तरप्रेदश/ओडिसा/ बिहार राज्य शासन के नियमानुसार छात्रवृति का प्रावधान भी है।

सिपेट सीजी में प्रवेश के लिए 07 फरवरी से आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ है जिसकी अंतिम तिथि 29 मई को है। प्रवेश परीक्षा 08 जून एवं पाठयक्रमों के प्रारंभ 14 जुलाई से संभावित है। आवेदन के लिए सीपेट की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि पात्र युवा अधिक से अधिक संख्या में संस्थान में प्रवेश लें और अपने बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने दो नये अग्निशमन वाहन का किया लोकार्पण

कोरबा(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर कोरबा जिले को दो नये आधुनिक अग्निशमन वाहन की सौगात मिली है। कलेक्टोरेट परिसर में आज दो नये अग्निशमन वाहन का लोकार्पण उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 पवन सिंह कवंर, नगर निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन एवं अन्य ने पूजा अर्चना कर एवं हरी झंडी दिखाकर किया। मंत्री श्री देवांगन ने इस अवसर पर कहा कि कोरबा एक औद्योगिक जिला है। यहां आग लगने की संभावनाओं को देखते हुए एवं आग से बचाव के लिये आधुनिक अग्निशमन वाहन की आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा कोरबा सहित छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों को भी अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराये गये हैं। यह खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में कभी भी आग लगने की घटना घट जाती है। ऐसे में अग्निशमन वाहन उपलब्ध होने से आग लगने की दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि दुर्घटनाओं का कोई समय नहीं होता, हम सतर्कता एवं सावधानी से बहुत सी दुर्घटनाओं से बच सकते हैं। आग लगने जैसी घटनाएं अचानक से घटती है, इस दौरान सबसे पहले फायर ब्रिगेड को ही याद किया जाता है। पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड उपलब्ध होने पर बड़ी दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में आसानी होती है। यह सौभाग्य है कि आज दो नये फायर ब्रिगेड कोरबा जिले को मिले हैं। हम सभी को चाहिए कि छोटे रूप से बड़ा रूप धारण करने वाली आग को शुरूवाती चरणों में ही अपनी सूझबुझ से काबू कर लें। इससे जानमाल की हानि को भी रोका जा सकता है। हम सभी सतर्क और सावधान अवश्य रहें ताकि आग लगने जैसी घटनाएं न घटित हो। होमगार्ड के कमांडेंट श्री बी.पी.सिदार ने बताया कि कोरबा जिले को 12 हजार लीटर क्षमता वाले वाटर वाउजर और पांच हजार लीटर क्षमता वाले वाटर टेंडर अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराये गये हैं। वाहनों को फायर स्टेशन में रखा जायेगा। इसका संचालन प्रशिक्षित होमगार्ड के जवान एवं नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि नये वाहन प्राप्त होने से आगजनी की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री मनोज कुमार, एसडीएम श्री सरोज महिलांगे सहित होमगार्ड के जवान एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

10 मई को नेशनल लोक अदालत का किया जायेगा आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-प्राधिकरण बिलासपुर के दिशानिर्देशन में आगामी 10 मई 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना निर्धारित है। नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर प्रधान जिला जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में माननीय श्रीमती विनीता वार्नर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन, पुलिस अधीक्षक जिला सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरजपुर श्री डी.एस. बघेल एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर श्रीमती प्रतीक्षा अग्रवाल उपस्थित रहे। वहीं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर श्रीमती प्रतीक्षा अग्रवाल अध्यक्षता में कार्यलय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आयोजित बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सूरजपुर कु. शिवानी जायसवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सूरजपुर, श्री विनोद सिंह, सी.एम.ओ. नगरपालिका सूरजपुर, श्री पी. के. शुक्ला एवं विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

आयोजित बैठक में 10 मई 2025 होने वाली नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा राजस्व प्रकरणों को रखे जाने तथा राजस्व न्यायालयों में गठित होने वाले खण्डपीठों में राजस्व प्रकरणों को रखे जाने एवं प्रकरणों का निराकृत सख्या में बढ़होत्तरी पर विशेष चर्चा किया गया। आगामी नेशनल लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर, कुटुम्ब न्यायालय सूरजपुर, तालुका न्यायालय प्रतापपुर एवं जिले के समस्त राजस्व न्यायालयों में आयोजित होगें व पक्षकारों की सुविधा के लिए प्रकरण के पक्षकारों को भौतिक रूप से एवं वर्चुअल वीडियों कान्फ्रेसिंग दोनों मुख्य माध्यमों से मामलों में सुलह की सुविधा प्रदान की जावेगी। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित आपसी विवाद के मामले, व्यवहार वाद, मोटर दुर्घटना दावा, परिवारिक विवाद, जिला न्यायालय में वर्षों से लंबित प्ररकण एवं राजस्व प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को रखे जायेगें। बैंक ऋण, बकाया बिजली बिल, जल के बकाया देयकों के प्री लिटिगेशन प्रकरणों में पक्षकारों को नियमानुसार छूट के पात्र होगें।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में दुध वाले पर जानलेवा हमला

बिलासपुर(विश्व परिवार)। पत्नी से अवैध संबन्ध के संदेह मे एक व्यक्ति ने दूध वाले पर चापड़ से प्राणघातक हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल दुधवाले का उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मरीमांई मंदिर के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार मरीमांई मंदिर के पास रहने वाले एक मोहम्मद मोबिन को शक था कि उसकी पत्नी का दूध वाले जयपाल साहू के साथ अवैध संबन्ध है। और इसी शक से घात लगाकर आरोपी ने दूध वाले जयपाल साहू पर चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह लहू लूहान हो कर वही गिर पड़ा । किसी तरह उसे हॉस्पिटल ले जाया गया ,जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। यह पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। बताया जाता है कि आरोपी दुधवाले को मारने के बाद अपनी पत्नी को मारने उसके मायके तिफरा भी गया था लेकिन अपने प्रयास में वह सफल नही हो सका। मामले की सूचना मिलने के बाद सिविल लाईन पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा जांच की जा रही है। फिलहाल प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी द्वारा पत्नी पर चरित्र शंका के कारण ही उक्त वारदात को अंजाम दिया गया है। आरोपी पेशे से वाहन चालक है।

तेंदुआ-वन भैंसे की मौत के बाद मचा हड़कंप

महासमुंद(विश्व परिवार)। जिले के खल्लारी क्षेत्र में करंट लगाकर जंगली जानवरों का शिकार करने का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आज सुबह नेशनल हाईवे 353 के पास स्थित मातेश्वरी पहाड़ी के नीचे वन विभाग के कक्ष क्रमांक 182 में करंट की चपेट में आने से एक तेंदुए और वन भैंसा की मौत का मामला सामने आने के बाद वन विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दोनों मृत जानवरों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने वन्यजीवों की लगातार हो रही मौतों पर चिंता जताते हुए दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

वस्त्र संहिता जरूरी

महाराष्ट्र के सभी मंदिरों में दिशा-निर्देश जारी कर भक्तों से शालीन कपड़े पहनने का आग्रह किया जा रहा है। मंदिरों के न्यासियों का मानना है, धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाये रखने के लिए ड्रेस कोड यानी वस्त्र संहिता जरूरी है। पुणे के मोरगांव और थेउर, अहिल्यानगर में सिद्धटेक और पिंपरी चिंचवाड़ मोरया गोसावी और रायगढ में खार नारंगी आदि के प्रबंधकों ने श्रद्धालुओं से उचित पोशाक पहनने का अनुरोध किया है। यह स्पष्ट किया गया है कि यह अनिवार्य नहीं है, मगर शिष्टाचार बनाये रखने के लिए सम्मानजनक अपील भर है। इसी साल के शुरुआत में मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धविनायक मंदिर में भी ड्रेस कोड की घोषणा की थी। कुछ अन्य मंदिरों ने जींस, स्कर्ट, शार्ट्स, देह दर्शाना पोशाक पर सख्त पाबंदी लगाई है। यह प्रतिबंध समूचे महाराष्ट्र में लागू करने के प्रयास हैं। शनि शिगणापुर व अहिल्यानगर जिले के शिरडी में भी यह ड्रेस कोड लागू करने की अपील की गई है। कुछ साल पहले नागपुरके चार मंदिरों में ड्रेस कोड जारी किया था, जिसमें गोपालकृष्ण मंदिर, संकटमोचन पंचमुखी हनुमान, बृहस्पति मंदिर व दुर्गामाता मंदिर शामिल हैं। देशभर के विभिन्न बड़े मंदिरों में तेजी से ड्रेसकोड लागू होते जा रहे हैं। इसका बड़ा कारण यह भी है कि युवाओं में छोटे या बदन उघाड़ू कपड़े पहनने का फैशन चल पड़ा है। वास्तव में अन्य धार्मिक स्थलों मसलन गुरुद्वारों, चर्च व मजारों में इस तरह के ड्रेस कोड हमेशा से चले आ रहे हैं। कुछ धार्मिक स्थलों में सिर ढककर ही प्रवेश की आज्ञा होती है। हालांकि हिन्दू धर्म इन सब को लेकर बेहद सहिष्णु रहा है। तार्किक तौर पर तो बड़े मंदिरों में गर्भगृह में देवताओं की पूजा-अर्चना करने वाले महंत/पुरोहित/पुजारी हमेशा से केवल कमर के नीचे का भाग ढकते हैं। उनकी छाती हमेशा खुली होती है। मंदिर प्रांगण में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा में खलल न हो, न ही उनकी आस्था पर प्रहार हो; यह ख्याल रखना मंदिर प्रबंधन का जिम्मा है। जिन धर्मस्थलों में वस्त्र-संहिता नहीं लागू है, वहां भी पहनावे के प्रति श्रद्धालुओं को सतर्क रहना सीखना चाहिए। आस्थावान होने का तात्पर्य है, भक्तों का प्रयास हो कि उनके कृत्य से किसी अन्य की भावनाएं न आहत हों। न ही वे खुद अपमानित होने वाले कदम उठाएं।

हिंदू धर्मस्थलों में लूट और अव्यवस्था

अनुज आचार्य

मंदिरों की आय के कुछ फीसदी भाग से मंदिर क्षेत्र का विकास करवाया जाना चाहिए। उस क्षेत्र की गलियां, सडकें चौड़ी करवाई जानी चाहिए। वीवीआईपी एवं धनवान लोगों और सामान्य जनता के बीच का अंतर समाप्त होना चाहिए। बड़े मंदिरों के प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियां और जवाबदेही तय होनी चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करते हुए प्रवेश और निकासी की व्यवस्थाएं होनी चाहिएज् हमारे पास ऐसा मानने के लिए पर्याप्त प्रमाण हैं कि इस धरा यानी पृथ्वी का निर्माण किसी न किसी दैवीय शक्ति के अधीन हुआ है और इसके साक्षात प्रमाण इस धरती के कण कण में, इस चराचर जगत में प्राणियों में, पशु पक्षियों में, मनुष्यों में और वनस्पतियों में दृष्टिगोचर होते हैं। क्या यह प्रमाण पर्याप्त नहीं है कि इस परिवर्तनशील पृथ्वी पर जन्म-मृत्यु का चक्र और आनुवंशिक गुणों के चलते भूलोक पर जीव जंतुओं, वनस्पतियों एवं मनुष्यों की उपस्थिति करोड़ों वर्षों से यथावत बनी हुई है और आगे भी बनी रहेगी। अगर मनुष्य की उत्पत्ति के शुरुआती कुछ हजार वर्षों को छोड़ दें तो जैसे जैसे मनुष्य की बुद्धि का विकास हुआ और मनुष्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अपने अनुभवों का हस्तांतरण करता गया तो वहीं उसे ईश्वरीय उपस्थिति का आभास भी हुआ होगा। लिहाजा उसने अपने तौर तरीकों से प्रत्यक्ष देवताओं की पूजा आराधना शुरू की। हिंदू धर्म की राह पर चलकर ही विश्व में कई प्रकार के धर्म संप्रदायों का प्रादुर्भाव हुआ और सभी धर्मों का एक ही मकसद रहता आया है और वह है जन्म मरण से मुक्ति और ईश्वर के चरणों में मोक्ष मिले। वर्तमान समय में जैसे-जैसे भारतवर्ष की आबादी बढ़ रही है, लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, शिक्षा का प्रचार प्रसार हो रहा है, सोशल मीडिया और गूगल जैसे सर्च इंजन से नित नवीन जानकारियां लोगों को मिल रही हैं, उससे यह स्वाभाविक ही है कि लोगों की जिज्ञासा में वृद्धि होती है और वह उन स्थलों को जाकर देखना चाहता है जहां कभी पहुंचना असंभव माना जाता था। आज संचार और यातायात के बेहतरीन साधन उपलब्ध हैं, लिहाजा लोगों की भीड़ भी इन धार्मिक तीर्थ स्थलों

पर बढ़ती जा रही है। बचपन से मिले पारिवारिक संस्कारों के चलते प्रत्येक हिंदू अपने आराध्य भगवान की पूजा अर्चना के अलावा भारतवर्ष के अनेक प्रसिद्ध मंदिरों/देवस्थानों में जाकर माथा टेकना चाहता है। प्रत्येक भारतीय धर्म, कर्म और ईश्वरीय विधान में आस्था रखता है ताकि उसे आध्यात्मिक शांति मिले और सद्गति प्राप्त हो, लेकिन श्रद्धालु और यात्रीगण जब किसी तीर्थस्थल अथवा किसी बड़े देवालयों में पहुंचते हैं तो उन्हें वहां सुविधाओं का अकाल, अव्यवस्थाओं और पंडे पुजारियों की लूट से दो चार होना पड़ता है। अगर मैं अपनी यात्राओं अथवा अपने मित्रों/रिश्तेदारों के अनुभव से कहूं तो हमें बड़े हिंदू तीर्थस्थलों में फैली अव्यवस्थाओं और लम्बी लम्बी लाइनों का सामना करना पड़ता है। भारतवर्ष की पुण्य धरा में विराजमान ईश्वरीय शक्तियां जिन्हें हम विविध नामों से जानते हैं, का पूजन न केवल घरों में होता है अपितु मंदिरों एवं देवालयों में वर्ष पर्यंत भक्तजन और श्रद्धालु नतमस्तक होने जाते हैं। हिंदू मंदिरों में फैली अराजकता और अव्यवस्था के कई कारण हैं, जिनमें मंदिरों का सरकारी नियंत्रण होना, सीसीटीवी कैमरों के बावजूद भ्रष्टाचार और मंदिरों के प्रबंधन में अनियमितता इत्यादि शामिल हैं। सरकारी नियंत्रण के कारण, मंदिरों की आय और संपत्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है, जिससे भक्तों के मन में मंदिर के प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी का एहसास होता है। भ्रष्टाचार भी एक बड़ी समस्या है जिसके कारण मंदिरों की आय का दुरुपयोग होता है और मंदिर की संपत्ति का नुकसान होता है। भौतिकतावाद की इस अंधी दौड़ में ईश्वरीय सेवा में संलग्न तथाकथित पुजारी लोग ही जब जनता को लूटने में लगे हुए हों और जिन्होंने भगवान के दरबार में रहकर भी रुपया कमाने को ही अपना मूल मंत्र अथवा साध्य बना रखा हो, जहां वीवीआईपी दर्शनों के नाम पर धन संपन्न/शक्ति संपन्न और राजनीतिक तौर पर प्रभावशाली लोग हजारों की भीड़ को दरकिनार करते हुए वीवीआईपी रास्तों से जब ईश्वर की कृपा पाने के लिए बगल से गुजरते हों और वहां एक साधारण गरीब आम इनसान श्रद्धालु कातर दृष्टि से उनको गुजरते देखकर कुंठा, निराशा, हताशा और तकलीफ से डूबता उतरता तो होगा ही। आज की तारीख में चंद स्वार्थी, लालची प्रवृत्ति के लोग धर्मस्थलों में आने वाले भक्तजनों को लूटने से बाज नहीं आते हैं तो वहीं भिखारियों की फौज 2-2 सौ मीटर तक पीछा करके तंग करती है, जिससे आम आदमी एवं पढ़े लिखे लोगों का मन वितृष्णा से भर जाता है। लेकिन यह भी सत्य है कि हाल ही में संपन्न प्रयागराज के महाकुंभ में अतिउत्तम व्यवस्थाओं के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं के बीच अपनी एक अलग छवि बनाई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को चाहिए कि मंदिरों के लिए नीतियां बनाएं और नियम निर्धारित करें। स्वच्छता एवं शौचालयों की सुंदर व्यवस्था हो। मंदिरों की आय के कुछ फीसदी भाग से मंदिर क्षेत्र का विकास करवाया जाना चाहिए। उस क्षेत्र की गलियां, सडकें चौड़ी करवाई जानी चाहिए। वीवीआईपी एवं धनवान लोगों और सामान्य जनता के बीच का अंतर समाप्त होना चाहिए। बड़े मंदिरों के प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियां और जवाबदेही तय होनी चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करते हुए प्रवेश और निकासी की सुरक्षित व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अगर मनुष्य की उत्पत्ति के शुरुआती कुछ हजार वर्षों को छोड़ दें तो जैसे जैसे मनुष्य की बुद्धि का विकास हुआ और मनुष्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अपने अनुभवों का हस्तांतरण करता गया तो वहीं उसे ईश्वरीय उपस्थिति का आभास भी हुआ होगा। लिहाजा उसने अपने तौर तरीकों से प्रत्यक्ष देवताओं की पूजा आराधना शुरू की। हिंदू धर्म की राह पर चलकर ही विश्व में कई प्रकार के धर्म संप्रदायों का प्रादुर्भाव हुआ और सभी धर्मों का एक ही मकसद रहता आया है और वह है जन्म मरण से मुक्ति और ईश्वर के चरणों में मोक्ष मिले। वर्तमान समय में जैसे-जैसे भारतवर्ष की आबादी बढ़ रही है, लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, शिक्षा का प्रचार प्रसार हो रहा है, सोशल मीडिया और गूगल जैसे सर्च इंजन से नित नवीन जानकारियां लोगों को मिल रही हैं, उससे यह स्वाभाविक ही है कि लोगों की जिज्ञासा में वृद्धि होती है और वह उन स्थलों को जाकर देखना चाहता है जहां कभी पहुंचना असंभव माना जाता था। भक्तजनों के लिए सुविधाजनक प्रवेश कॉरिडोर होने चाहिए और इन रास्तों पर दोपहिया वाहनों और रिक्शा आदि का प्रवेश वर्जित होना चाहिए ताकि बच्चे, वृद्ध और हर आयु वर्ग के लोग निश्चिंत होकर भगवान के दर्शन कर पाएं। भक्तों के साथ पुजारियों एवं पुलिस कर्मियों द्वारा धक्कामुक्की पर अंकुश लगना अनिवार्य हो तो वहीं जगह जगह झुंड जमाए बैठे पंडे पुजारियों द्वारा भक्तों पर दबाव बनाने की प्रथा पर कानूनन विराम लगना चाहिए। भगदड़ से निपटने के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए और प्रसिद्ध देवालयों के आसपास भिखारियों का प्रवेश वर्जित किया जाना चाहिए, ताकि भक्तजन बिना किसी परेशानी के ईश्वर के दर्शन कर अपने इहलोक और परलोक को सफल बना सकें।

आलेख

हरियाली और जल संरक्षण

विवेक रंजन श्रीवास्तव

प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की प्रेरणा देता है। इस वर्ष की थीम पृथ्वी बचाओ के साथ-साथ पर्यावरण के दो मूलभूत आधार हरियाली और जल संरक्षण पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। ये दोनों ही तत्व न केवल मानव जीवन, बल्कि समस्त जैव विविधता के अस्तित्व की कुंजी हैं।

हरियाली, प्रकृति का हरा सोना कही जा सकती है।

वृक्ष और वनस्पतियाँ पृथ्वी के फेफड़े हैं। समुद्र पृथ्वी के सारे अपशिष्ट नैसर्गिक रूप से साफ करने का सबसे बड़ा संयत्र कहा जा सकता है। वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करने के साथ-साथ वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, जलवायु को संतुलित करते हैं, और जीव-जंतुओं को आश्रय देते हैं। भारत में वनों का क्षेत्रफल लगभग 21.71 प्रतिशत, भारतीय वन सर्वेक्षण 2021के अनुसार है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आवश्यक 33 प्रतिशत से कम है। शहरीकरण, अंधाधुंध निर्माण, और औद्योगिकीकरण के कारण हरियाली का ह्रास एक गंभीर समस्या बन चुका है। वनों की कटाई से मरुस्थलीकरण बढ़ रहा है। प्रदूषण के कारण पेड़ों का जीवनकाल घटा है। जैव विविधता पर संकट।

समाधान:

सामुदायिक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाना। सरकारी योजनाओं जैसे ग्रीन इंडिया मिशन को सक्रियता से लागू करना। शहरी क्षेत्रों में छतों पर बगीचे (टेरेस गार्डनिंग) को बढ़ावा देना।

जल संरक्षण:

जल ही जीवन है, यह वाक्य भारत जैसे देश में और भी प्रासंगिक है,हढ्ढञ्जढ्ढ आयोग, 2018 के अनुसार 60 करोड़ लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं । नदियों का प्रदूषण, भूजल स्तर का गिरना, और वर्षा जल का अपव्यय जल संकट को गहरा कर रहे हैं।

चुनौतियाँ:

कृषि और उद्योगों में जल की अत्यधिक खपत। वर्षा जल संचयन की पारंपरिक प्रणालियों (जैसे कुएँ, तालाब) का विलोपन। नदियों में प्लास्टिक और रासायनिक कचरे के निपटान को रोकना।

समाधान:

वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) को अनिवार्य बनाना। नदियों की सफाई के लिए नमामि गंगे जैसे अभियानों को व्यापक स्तर पर लागू करना। किसानों को ड्रिप सिंचाई और फसल चक्र अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना। हरियाली और जल संरक्षण: दोनों का अटूट नाता है। ये दोनों पहलू एक-दूसरे के पूरक हैं। वृक्ष भूजल स्तर बढ़ाने में मदद करते हैं, जबकि जल के बिना हरियाली संभव नहीं। हरियाली के बिना शुद्ध वातावरण संभव नहीं होता। उदाहरण के लिए, राजस्थान के तरुण भारत संघ ने जल संरक्षण और वनीकरण के माध्यम से अलवर क्षेत्र को हरा-भरा बनाने का वृहद कार्य किया है। इसी प्रकार, केरल की हरित क्रांति ने वर्षा जल प्रबंधन को प्राथमिकता देकर कृषि उत्पादन बढ़ाया।

हम क्या कर सकते हैं?

1. व्यक्तिगत स्तर पर:

घर में पौधे लगाएँ और पानी की बर्बादी रोकें।

प्लास्टिक का उपयोग कम करके मिट्टी और जल को प्रदूषण से बचाएँ।

वर्षा जल संग्रह प्रारंभ करें।

2. सामुदायिक स्तर पर:

गली-मोहल्ले में जागरूकता अभियान चलाएँ।

स्कूलों और कॉलेजों में इको-क्लब बनाएँ।

3. राष्ट्रीय स्तर पर: सरकार को जल शक्ति अभियान और राष्ट्रीय हरित न्यायालय के निर्देशों को कड़ाई से लागू करना चाहिए। पृथ्वी दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सतत प्रतिबद्धता दोहराने का प्रतीक है। हरियाली और जल संरक्षण के बिना, मानवता का भविष्य अंधकारमय है। हम सब कोथिंक ग्लोबली, एक्ट लोकली के सिद्धांत पर चलते हुए, अपनी धरती को सुरक्षित रखने की शपथ लेने का समय है।

ड्राइवर देश का उपेक्षित,लेकिन अनिवार्य वर्ग

रमेश धवाला

जिस तरह एक सैनिक सरहद पर देश की रक्षा करता है, उसी तरह ट्रक ड्राइवर देश की आर्थिक धमनियों को जीवित रखते हैं। अगर वे एक दिन भी काम बंद कर दें तो आम नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी रुक जाएगी, दूध, सब्जियां, दवाइयां और ईंधन जैसी बुनियादी जरूरतें समय पर नहीं पहुंचेंगी भारतीय समाज में ट्रक ड्राइवरों को अक्सर कम पढ़ा-लिखा, अनुशासनहीन या विकल्पहीन व्यक्ति समझा जाता है, जबकि सच्चाई इससे एकदम अलग है। ट्रक ड्राइवर देश की अर्थव्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ हैं, जिनके निरंतर परिश्रम के बिना रोजमर्रा की जिंदगी रुक सकती है। वे दिन-रात देश के कोने-कोने तक आवश्यक वस्तुएं पहुंचाते हैं, चाहे वह बर्फीली सडकों पर हो या तपते रेगिस्तान में। इसके बावजूद उन्हें वह सम्मान, वे सुविधाएं और वे अधिकार नहीं मिलते जिनके वे वास्तविक हकदार हैं। जहां अधिकांश नौकरियों में काम के घंटे तय होते हैं और ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित होता है, वहीं ट्रक चालकों को अकसर 15-18 घंटे तक लगातार वाहन चलाना पड़ता है। उनके पास न पर्याप्त विश्राम का समय होता है, न उचित खानपान की व्यवस्था। उनका कार्य न केवल शारीरिक रूप से थकाने वाला होता है, बल्कि मानसिक रूप से भी अत्यंत तनावपूर्ण होता है। ट्रैफिक, मौसम, समय की पाबंदी और पुलिस या प्रशासनिक दबाव, ये सभी उन्हें लगातार परेशान करते हैं। इसके बावजूद वे शिकायत नहीं करते, क्योंकि डिलीवरी समय पर पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होती है। वेतन की बात करें तो आज भी एक ट्रक चालक की औसत मासिक आमदनी 15000 से 20000 रुपए के बीच है। यह राशि तब बेहद कम लगती है जब इसमें लगातार यात्रा, खानपान, वाहन रखरखाव और व्यक्तिगत जरूरतों का खर्च भी जुड़ जाए। इस आर्थिक असुरक्षा के चलते ड्राइवरों की शादियां समय पर नहीं हो पातीं और नई पीढ़ी इस पेशे से दूरी बना रही है। यह एक सामाजिक संकट का रूप ले चुका है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है। यदि हम विकसित देशों की बात करें, तो अमेरिका में ट्रक ड्राइवरों की औसत वार्षिक आय 50000 डॉलर (लगभग 40 लाख रुपए) से अधिक है। नॉर्वे अपने ट्रक ड्राइवरों को लगभग 36.92 लाख रुपए तक की सैलरी देता है। वहां काम के घंटे सख्ती से नियंत्रित होते हैं। एक ड्राइवर को एक दिन में अधिकतम 11 घंटे से ज्यादा वाहन चलाने की अनुमति नहीं होती और उसके बाद कम से कम 10 घंटे का विश्राम अनिवार्य होता है। ऑस्ट्रेलिया में ट्रक ड्राइवरों के पास अपनी पसंद के शेड्यूल के अनुसार काम करने का ऑप्शन होता है और उन्हें इसके लिए प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान मिलता है। ऑस्ट्रेलिया में एक ट्रक ड्राइवर का प्रति घंटे वेतन आम तौर पर 29.62 डालर होता है। वे अपने काम की प्रकृति के अनुसार काम करते हैं और उसी के आधार पर पैसे कमाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में ट्रक ड्राइवरों के लिए आवंटित अधिकतम कार्य समय 10-12 घंटे है, इसलिए वे उस सीमा के भीतर ही काम करते हैं। यूरोपीय संघ में भी ड्राइवरों के लिए ड्राइविंग टाइम रेगुलेशन लागू हैं, इसके अनुसार ड्राइवर एक दिन में कुल 9 घंटे गाड़ी चला सकते हैं, जिसमें हर चार घंटे की ड्राइविंग के बाद 45 मिनट का ब्रेक लेना अनिवार्य है। जर्मनी और नीदरलैंड जैसे देशों में तो हाईवे पर विशेष ट्रक रेस्ट एरिया बनाए जाते हैं, जहां स्वच्छ शौचालय, स्नानघर, खाना और आराम की सुविधाएं उपलब्ध हैं। यही नहीं, ड्राइवरों को सामाजिक सुरक्षा, बीमा, पेंशन और रिटायरमेंट के बाद सम्मानजनक सहायता भी दी जाती है। इन देशों में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि महिला ट्रक चालकों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण, सुरक्षा और विश्रामस्थलों की सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि वे भी इस पेशे को आत्मविश्वास के साथ अपना सकें। भारत में ट्रक ड्राइविंग को एक स्किल्ड प्रोफेशन का दर्जा देकर युवाओं को प्रशिक्षित करने की जरूरत है। ड्राइविंग केवल गाड़ी चलाना नहीं, बल्कि एक पूर्णकालिक, जिम्मेदार और तकनीकी पेशा है, जिसमें प्रशिक्षण, अनुशासन और स्वास्थ्य का विशेष महत्व होता है। भारत को भी इन उदाहरणों से प्रेरणा लेकर अपने ट्रक चालकों के लिए मानवीय और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना चाहिए। देश की सडकों पर दिन-रात चलने वाले इन ड्राइवरों के लिए सरकार को विशेष योजना बनानी चाहिए। हाईवे पर साफ-सुथरे विश्राम केंद्र, शौचालय, स्नान और भोजन की व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए। साथ ही ड्राइवरों के लिए स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना सुरक्षा और वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। होटल मालिकों को भी चाहिए कि वे टैक्सी और ट्रक चालकों को न्यूनतम शुल्क पर रुकने और नहाने की सुविधा दें, ताकि वे कुछ घंटों के लिए ही सही, इनसान की तरह आराम कर सकें। इसके अलावा हालिया वर्षों में यह देखने को मिला है कि ट्रक ड्राइवर, जो कई हफ्तों और महीनों तक अपने घरों से दूर रहते हैं, अनजाने में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं, विशेष रूप से यौन संचारित रोगों जैसे एड्स और ड्रग्स आदि के सेवन के जोखिम में आ जाते हैं। लंबे समय तक सामाजिक और पारिवारिक संपर्क से दूर रहना, सीमित स्वास्थ्य सेवाएं और जागरूकता की कमी, इन स्थितियों को और भी गंभीर बना देती है। ऐसे में सरकार और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर ट्रक चालकों के बीच स्वास्थ्य शिक्षा, नियमित जांच और परामर्श सेवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि वे न केवल सुरक्षित रहें, बल्कि समाज में सम्मान और आत्मविश्वास के साथ जी सकें। पुलिस प्रशासन को भी चाहिए कि वे ट्रक चालकों के साथ सहयोगपूर्ण और सम्मानजनक व्यवहार करें। उन्हें अपराधी नहीं, देश के विकास में सहयोगी माना जाए। जिस तरह एक सैनिक सरहद पर देश की रक्षा करता है, उसी तरह ट्रक ड्राइवर देश की आर्थिक धमनियों को जीवित रखते हैं।

पलाश के सौंदर्य से संचित चैत्र.....

विकेश कुमार बडोला

प्रकृति के शरणागत होकर मनुष्य स्वास्थ्य, शतायु भी अर्जित करेगा तथा जीवन के प्रतिक्षण को चैत्र में खिले हुए पलाश के पुष्पों की भांति आनंदित होकर जिएगा। प्रकृति की वास्तविकताओं को आत्मसात करने पर मनुष्य दिव्य शक्तियों, कल्पनाओं, संकल्पनाओं तथा चमत्कारों से संचित होता है। नैसर्गिक विधि से जीने पर जीवन का नकारात्मक, ऋणात्मक व असुरक्षात्मक पक्ष उपस्थित ही नहीं होता। इतनी शक्तिसंपन्नता है प्राकृतिक जीवन में प्रकृति अद्भुत है। चार दिवस पूर्व चैत्र पूर्णिमा थी। फाल्गुन में बसंत का युवा रंग-रूप देखने के बाद अब वातावरण चैत्रप्रभाव में परिपक्व सौंदर्य से दमक रहा है। गत दस अप्रैल को उत्तर भारतीय भूभाग में वर्षा भी हुई थी। ओले भी गिरे थे। वर्षा ने नभमंडल और क्षितिज में फैली हुई अंधेरी धुंध को समाप्त कर दिया है। अब आगामी कुछ दिन तक व्योम, क्षितिज, धरा तीनों तत्त्व नवकांति के साथ उपस्थित होंगे। चैत्र की यह शोभना सीधे हृदय में उतरती है। यह शोभा हृदय तक ही सीमित नहीं रहती। यह आत्मा को भी स्पंदित करती है। हिमालय पर्वतों के चरणों पर स्थित वनक्षेत्र इस ऋतु में आकर्षण का पर्याय बने हुए हैं। वनों में पलाश पुष्पों की सुषमाग्नि भडकी हुई है। पलाश के पुष्पगुच्छ बारंबार एक मोहजाल बुन रहे हैं। संवेदनशील व्यक्ति इस मोहजाल में फंसते हैं और आधुनिकता पर थू-थू करते हुए चैत्रगत प्रकृति, प्राकृतिक छवि पर सम्मोहित होते हैं। वन के वन पलाश के संज्ञाहीन रंग के साथ सौंदर्य-उद्यान बने हुए हैं। क्या संज्ञा दूं पलाश पुष्प के रंग को! न यह लाल है और न ही ये पूर्ण संतरी रंग वाला है। तो फिर क्या हो इसकी रंग संज्ञा! संभवत: संज्ञाहीन है ये रंग। चाहिए भी किसे ये तुच्छ संज्ञा! भौतिकता द्वारा मृतप्राय: इस लेखक की काया पलाश से आच्छादित वनभाग देखकर पुनर्जीवित हो उठी है। आहें, श्वासें, मन, प्राण, आत्मबोध, आत्मप्रेम सभी कुछ वन के अंदर जाकर रहने को व्याकुल हैं। पलाश के प्रसून नवजीवन की सुदीप्ति प्रतीत होते हैं। इस नवजीवन में ही रमे रहने के संकल्प-विकल्प जीवन की चेतना में लहरा रहे हैं। शेष सभी कुछ विस्मृत है। चैत्र समय में पलाश के सुमन से सुशोभित धरा आनंद-विहार बनी हुई है। गेहूं के पके हुए स्वर्णरंगी पौधे भी पलाश की सुंदरता बढ़ाने में सहायक भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। मार्ग से सुदूर तक दिखाई देते निर्जन खेत, वन, वृक्ष, वनस्पतियां, घास-फूस के छोटे-

छोटे घर इत्यादि दोपहर के सूर्यप्रकाश में करुण-रंगरूप धारण किए हुए हैं। इस नैसर्गिक मधुरिमा पर मन-प्राण एवं आत्मा सब कुछ न्यौछावर करने की अभिलाषा प्रस्फुटित होती है। ऐसा वातावरण देखकर मनोभ्रम समाप्त हैं। आधुनिकता के विचित्र-विचित्र विषों से भरा हुआ अस्तित्व विषविहीन उन्मुक्त हो उठा है। संभवत: यही स्थिति व्यक्तित्व के आनंद हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थिति है। यही, मनुष्य जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। ऐसी ही प्राप्ति के लिए मनुष्य का जन्म हुआ है। यही शिरोधार्य हो। यही किंचित संकोच के बिना हर्षातिरेक के साथ स्वीकार्य हो। इसी में प्राणों का संजीवन हो। इसी में निष्प्राण होकर ठहर जाना चाहिए। ये मुक्ति है। ये मोक्ष है। ईश्वर का चमत्कार है। ईश्वरीय कृपा, प्रसाद, आशीर्वाद, करुणा है। इसी में विलीन होने की अभीप्सा हो। आह! रे जीवन रचयिता! क्या चैत्रोत्पत्ति की है तू ने! कितना सहज वास्तविक मुक्ति-अनुभव करवा रहा है तू इस अप्रतिम चैत्र तथा इसके पलाश कुसुमों के माध्यम से! जिस समयावधि में विश्व के अधिसंख्य लोग मोबाइल फोन के दृश्यपटल पर करोड़ों-अरबों की संख्या में प्रसारित-प्रदर्शित होने वाले चलचित्रों को देख-देख कर भ्रमित हो चुके हों, वहां प्रकृति का साथ भ्रमरोग से मुक्ति का आनंदित उपाय प्रतीत होता है। एक संवेदनशील सज्जन व्यक्ति आधुनिकता के जंजाल में फंसकर यही विचार कर रहा है कि अंततोगत्वा मनुष्यजाति की दुर्दशा की पराकाष्ठा क्या होगी, जब अभी इस समय ही चहुंओर मनुष्य का जीवन भयंकर दुर्दशाओं की कारा में बंद हो चुका है। ग्राम, ग्राम्य जीवन, परिवार, रिश्ते-नाते, संबंध, परंपरा, त्योहार, उत्सव, संस्कृति सभी कुछ तो निर्मम आधुनिकता ने नष्ट कर दिया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, मोटर वाहनों इत्यादि आधुनिक वस्तुओं के माध्यम से ओछे प्रदर्शन का पर्याय बन चुका वर्तमान मनुष्य जीवन वास्तव में मनुष्यता, जीवनत्व से हीन हो चुका है। मोबाइल फोन की विषैली अदृश्य आवृत्तियां मनुष्य का मन, हृदय, मस्तिष्क, आत्मा, भाव, विचार, सब कुछ शुष्क कर चुकी हैं। मनुष्य केवल देखने के लिए मनुष्य रह गया है। वास्तविक रूप में वह भ्रममशीन बन चुका है। अर्थव्यवस्था को सोचने, खाने, पीने, जीने वाली दुनिया भला धन-संसाधन के अतिरिक्त क्या सोचने-विचारने योग्य छोड़ेगी मनुष्य को! विश्व के अधिसंख्य लोग धन-संसाधन प्राप्त व एकत्र करने की लिप्साओं से ग्रस्त हैं। इस लोभचक्र में लोग यह भी सोचने योग्य नहीं रहे कि उनका जीवन क्षणभंगुर है। मनुष्य की काया शक्तिहीन है। उसका जीवन लघु है। उसका जीना अनिश्चित है। उसके जीवन की हरेक गतिविधि एक प्रकार की स्वप्नक्रीड़ा है।

अधीरता एक ऐसी ही दुर्बलता है, जो हमें अंदर से कमजोर करती है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

जीवन की स्थायी उन्नति के लिये धैर्य रखना जरुरी है: मुनि श्री

भोपाल (विश्व परिवार)। अधीरता एक ऐसी ही दुर्बलता है, जो हमें अंदर से कमजोर करती है। जीवन की स्थायी उन्नति के लिये धैर्य रखना जरुरी है जो अधीर होता है, वह कभी भी अपने जीवन में उन्नति नहीं कर सकता। अधीरता से तो बने बनाये काम भी विगड़ जाते हैं। उपरोक्त उद्‌गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने अधीरता विषय पर मार्गदर्शन देते हुये अवधपुरी के विद्यासागर इंस्टीट्‌यूट में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा जो अधीर है वह धैर्य से पहले ही हार मान लेता है, आजकल प्रतीक्षा तो आदमी करना ही नहीं चाहता समय से पहले ही रिजल्ट चाहता है, खेत में आज बीज बोया है, तो अंकुर फूटने में समय तो लगेगा ही लेकिन अधीरता से वह रोज रोज उस बीज को देखता है और इस हड़वड़ी में बीज अंकुरित न होकर नष्ट ही हो जाता है, मुनि श्री ने कहा कि कोई भी कार्य हो वह अपने निर्धारित समय से ही पूर्ण होगा तुम कितने ही अधीर हो जाओ पेड़ फलेगा तो वह ॠतु चक्र के अनुरुप फलेगा तुम उसके लिये कितना भी प्रयास करो वंहा कुछ होंने वाला नहीं, यह बात अच्छी तरह से समझ लैना चाहिये मुनि श्री ने कहा अधीरता एक ऐसी ही दुर्वलता है, जो हमें अंदर से कमजोर करती है, हमारे चित्त को उद्दग्गिन और बैचेन करती है, जबकि मन में जब धैर्य होता है तो वंहा निश्चिंतता होती है उन्होंने अधीरता के स्वरुप, कारण, परिणाम तथा समाधान इन चार बातों पर चर्चा करते हुये कहा कि अधीर मन से सफलता नहीं मिलती उसके लिये प्रतीक्षा करना पड़ती है उदाहरण देते हुये कहा कि एक व्यक्ति ने अपने नये व्यवसाय की शुरुआत की और उसका व्यापार अच्छा चला उसने उसी आधार पर साल भर का बजट बना लिया लेकिन बीच में व्यापार कमजोर हो गया तो वह अधीर हो उठा कि मेरा व्यापार नहीं चल रहा और इससे वह डिप्रेशन का शिकार हो गया मुनि श्री ने कहा कि हड़वड़ी से ही गड़वड़ी होती है अभी तुमने व्यापार की शुरुआत की है थोड़ी प्रतीक्षा तो करो, किसी भी कार्य मेंअपेक्षा रखो लेकिन अतिअपेक्षा न रखो, अतिअपेक्षा से धैर्य टूटता है और बना बनाया कार्य भी विगड़ जाता है एक व्यक्ति बेटी के सम्वंध के लिये परेशान था हमारे पास आया तो हमने कहा कि आप अपना पुरुषार्थ तो कर रहे हो जब उसका निमित्त आऐगा तो उसका सम्वंध भी हो जाऐगा अधीरता से तो बने बनाये काम भी विगड़ जाते है मुनि श्री ने कहा कोई कार्य भय या उतावले पन से काम नहीं होता उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों ने सांप और नेवला की कहानी तो पड़ी ही होगी जिसमें नेवला परिवार का अंग था गृह मालकिन अपने बच्चे को उसके भरोसे छोड़कर पानी भरने जाती है इस बीच एक सांप उधर आकर बच्चे की ओर बड़ता है तो नेवला उस सांप का काम तमाम कर देता है और वह घर की चौखट पर मालकिन इंतजार करता है इधर गृह मालकिन आती है और नेवला के मुख पर खून लगा देख उसे कुछ शंका होती है और आव न देखा ताव वह पानी का घड़ा उस नेवला पर पटक देती है जिससे उसके तुरंत प्राण पखेरू उड़ जाते है और जब वह अंदर पहुंच कर देखती है कि उसका बच्चा तो खेल रहा है और पास में एक भयानक विषधर के टुकड़े टुकड़े होकर पड़े है तो वह स्थिति को समझ अपने आपको पश्चाताप करती है कि उसके अधीरता और अविवेक पूर्ण निर्णय ने उसके उपकारी उसनेवला के प्राण ले लिये। **-अविनाश जैन**

वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने पंच कल्याणक के मोक्ष कल्याणक दिन बही पार्श्वनाथ मंदसौर में दी 2 दीक्षाएं

मंदसौर (विश्व परिवार)। प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज परम्परा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने सिद्धहस्त कर कमलों से दिनांक 20 अप्रैल 2025 को दीक्षा दी ब्रह्मचारी राजेश भैया मेड़ता दीक्षा बाद108 मुनिश्री ध्येय सागर जी, ब्रह्मचारी श्री सुरेश शाह जयपुर 1 108 मुनिश्री भुवनसागर जी महाराज बने। संयम साधना से साध्य को सिद्ध किया जाता हैं। पंचकल्याणक क्या होते हैं, किस प्रकार मनाए जाते हैं यह कार्यक्रम आप विगत पांच दिनों से भगवान के गर्भ, जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान, मोक्ष कल्याणक के माध्यम से देख रहे हैं।विषय भोगों से मुक्त होकर भगवान की आत्मा सिद्धालय में विराजित हो गई है। आप 84 लाख योनियों में भ्रमण करते हैं जिसमें जन्म और मरण दोनों होता है मृत्यु को सभी देखते हैं शरीर का श्रृंगार सब करते हैं किंतु आत्मा का श्रंगार तप संयम को भूल जाते हैं। भगवान का शरीर मोक्ष कल्याणक के साथ लुप्त हो गया केवल नख और बाल शेष रहते हैं जबकि संसारी प्राणी की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा शरीर से निकल जाती है और मृत शरीर संसार में रहता है।

हर संसारी शरीर में प्रभु और आत्मा है संसारी प्राणी पर्याय में शरीर को अपना समझकर आत्मा को भूल गए हैं इसलिए संयम धारण कर साधना से साध्य को सिद्ध करके सिद्ध बनने के लिए दीक्षा धारण कर तप से कर्मों की निर्जरा कर सिद्धालय में विराजित होते हैं। यह मंगल देशना पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने भगवान के मोक्ष कल्याणक और दो दिगंबर जैनेश्वरी मुनि दीक्षा के पावन प्रसंग पर प्रकट की राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने बताया कि दीक्षा आमूल चूल परिवर्तन है, संयम और ध्यान से आत्मा को संसारी प्राणी समझने का प्रयास करते हैं। असंयमी प्राणी ध्यान नहीं कर सकते हैं आज दो भव्य प्राणी आप की ही तरह परिवार में माता-पिता, पत्नी, बेटा बेटी परिजन का लालन-पालन कर संसार की असारता को समझ कर वैराग्य धारण करने हेतु गुरु की शरण में आए हैं।

क्योंकि उन्हें पता है कि गुरु शरण में ही शांति और मुक्ति का मार्ग मिलता है आदिनाथ भगवान ने भी आत्मा को साधना में लगाया शादी की साधना कर साध्य को उन्होंने भी सिद्ध किया भगवान ने भी आत्म साधना कर सिद्ध अवस्था प्राप्त की सभी का लक्ष्य सिद्धालय होना चाहिए सुरेश जी शाह ने बेटे वर्तमान के मुनि हितेंद्र सागर का लालन-पालन किया फिर गुरु शरण में गए और बेटे के संयम मार्ग का अनुसरण किया पिता के लिए पुत्र आदर्श बन गए उन्होंने काफी समय तक दीक्षा हेतु श्रीफल चढ़ाया पंचकल्याणक में मोक्ष कल्याणक के पावन दिन मुक्ति लक्ष्मी पाने के लिए दीक्षा ले रहे हैं गुरु दीक्षार्थी शिष्य की अनेक स्तर पर परीक्षा लेते हैं पहले कर पात्र में दीक्षार्थी शिष्य आहार लेता है फिर दीक्षार्थी का केशलोचन होता है। **-राजेश पंचोलिया**

विले पार्ले ईस्ट मुम्बई के मन्दिर को तोड़े जाने के खिलाफ जैन समाज ने दिया ज्ञापन

संतों पर हमला मन्दिर तोड़े जाने से अहिंसा समाज की भावनाओ को ठेस पहुंची है : विजय धुर्रा

सभी संगठनों व दिगम्बर श्वेतांबर जैन समाज ने किया प्रदर्शन

अशोक नगर (विश्व परिवार)। आज अशोक नगर जैन समाज द्वारा विले पार्ले ईस्ट मुम्बई के जैन मन्दिर को 16 अप्रैल को महानगर पालिका परिषद द्वारा विना कारण तोड़े जाने के साथ ही अहिंसा शांति का सन्देश देने वाली भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा के अनादर व नीमच में जैन साधु संतो के साथ हुई मारपीट की घटना व जैन संतों के साथ हो रही सड़क दुघर्टना को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचकर जैन समाज के संगठनों ने सामूहिक रूप से प्रदर्शन कर नारे बाजी की इसके बाद जैन समाज की ओर से अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद राजेन्द्र कोचर ने ज्ञापन सौंपा।

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने ज्ञापन का वाचन करते हुए कहा कि विले पार्ले ईस्ट कांबली वाड़ी मुम्बई के देवाधिदेवश्री 1008 भगवान श्री पार्श्वनाथस्वामी के मन्दिर को महा नगर पालिका द्वारा तोड़े जाने की घटना सोशल मीडिया ज्ञात हुई इस घटनाक्रम से सकल दिगम्बर जैन एवं श्वेताम्बर समाज अत्यंत दुखी है यह घटना एक मन्दिर तक समिति नहीं है अपितु वहां विराजमान भगवान की अवेहलना की गई और धर्म ग्रंथों का अनादर किया गया इसके साथ दु:खद बात तो ये कि उपस्थिति लोगो ने अपनी बात रखनी चाही तो उन श्रावक श्राविकाओं से अभद्रता की गई जो प्रतिमाये हमें अहिंसा शांति का सन्देश देकर भारतीय संस्कृति को गौरवान्वित कर रही उनका अनादरण हुआ इस घटना का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है हम सब भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदय हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री जी से मांग करते हैं कि पुन: उसी स्थान पर सासम्मान जैन मन्दिर वनाया जाये और फिर से वंही प्रतिमा विराज मान होंगे.. हम सभी विले पार्ले सकल जैन समाज मुंबई के साथ है विलेपार्ले कांबली वाड़ी सकल दिगंबर जैन समाज के मन्दिर का सघ निर्माण कार्य हो ऐसी सरकार से मांग करते हैं।

साथ ही पिछले दिनों नीमच जिले में जैन संतों के साथ हुई मारपीट की घटना की निंदा करते हुए अपराधियों को कड़ी सज़ा देने की सभी संगठन सरकार से मांग करते हैं। **-विजय धुर्रा**

मैं तो नीरा बांस था गुरुदेव ने बांसुरी बना दिया : मुनि श्री अरह सागर जी महाराज

गुरु उपकार दिवस हर्षोल्लास के मंगलमय वातावरण में मनाया

कोटा/राजस्थान (विश्व परिवार)। राणा प्रताप मीरा और पन्नाधाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा शिक्षण के लिए संपूर्ण भारतवर्ष में सुविख्यात धर्मप्राण नगरी कोटा में परम पूज्य आचार्य शिरोमणि विद्यासागर जी महाराज के सुशिष्य मुनि 108 श्री अरह सागर जी महाराज श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर तलवंडी में विराजमान है। परम पूज्य मुनि श्री के सानिध्य में तलवंडी समाज में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। दैनिक धार्मिक कार्यक्रमों में पूज्य श्री के मुख से जिनाभिषेक, शांति धारा तत्पश्चात मुनि श्री के प्रवचन व संध्या काल में शंका समाधान एवं आचार्य भक्ति तथा संगीतमय आरती नित्य प्रतिदिन भक्तों द्वारा श्रद्धा भक्ति ओर समर्पण के साथ आयोजित की जा रही है।तलवंडी के प्रचार प्रसार मंत्री राजकुमार ने बताया कि आज दिनांक 22 अप्रैल को पूज्य मुनि श्री का 27 वा दीक्षा दिवस समाज में धूमधाम से मनाया गया। आज ही के दिन पूज्य मुनिश्री ने 27 वर्ष पूर्व आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से गृहस्थ जीवन त्याग कर संसार शरीर ओर भोगो के मार्ग को छोड़कर संयम के व्रत आदि ग्रहण कर मुनि पद को स्वीकार किया था।आज के दिन तलवंडी समाज में पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की संगीतमय सामूहिक पूजन एवं पूज्य मुनिश्री के समक्ष गुणानुवाद अर्घ समर्पित किए गए।समाज जनों द्वारा दीप प्रज्वलन चित्र अनावरण एवं शास्त्र भेंट आदि कार्यक्रम संपन्न किये गये। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार ने बताया कि इस अवसर पर श्रीमान जे के जैन, सुरेश जी हरसोरा, अशोक जी पहाड़िया प्रकाश जी सांमरिया अजय जैन उपेंद्र जी जैन सहित महिला मंडल की सदस्याये भी उपस्थित रही और सभी ने भक्ति भाव पूर्वक मुनि श्री की दीक्षा जयंती मनाई।

पूज्य मुनि अरहर सागर जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 27 वर्ष पूर्व यह मेरा परम सौभाग्य रहा कि मुझे परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज का आशीर्वाद मिला और उन्होंने मेरे जीवन को सही दिशा प्रदान करी मैं तो नीरा बास था मुझे गुरुदेव ने बांसुरी बना दिया मैं अनगढ़ पत्थर था गुरुदेव ने मुझे पूजनीय बना दिया।मेरे परिवार के संस्कार इस प्रकार के थे कि मैं शुरू से ही गुरुजनों के संपर्क में रहा उनके सानिध्य में मुझे संयम का मार्ग ग्रहण करने की प्रेरणा मिली। सभी को आशीर्वाद देते हुए पूज्य मुनिश्री ने कहा कि आपको भी अपने जीवन में मोह माया का त्याग कर स्वयम को कल्याण के मार्ग की ओर प्रशस्त करना चाहिए। **-पारस जैन पार्श्वमणि**

सफाई देखने सुबह आयुक्त पहुंचे इंदिरा नगर एवं नंदई

हाजरी रजिस्टर की जॉचकर कम उपस्थिति पर जताई नराजगी

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। साफ-सफाई में गुणात्मक सुधार लाने नगर निगम आयुक्त श्री अतुल वि वकर्मा प्रतिदिन वार्डों में जाकर सफाई देख वार्ड प्रभारी, दरोगा एवं सफाई कर्मियों को सफाई में और सुधार लाने निर्दीत कर रहे है। आज उनके द्वारा कौरिनभाठा रोड़, इंदिरा नगर, नंदई क्षेत्र में साफ-सफाई का जायजा लेकर निर्धारित समय तक सभी कर्मचारियों को उपस्थित रहकर कार्य करने कहा।

इंदिरा नगर के हर गलियों की नाली की समुचित सफाई कराकर कचरा उठाने आयुक्त ने कहा। हाजरी रजिस्टर की जॉचकर उन्होने कर्मचारियों की कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि, कोई भी कर्मचारी बिना कारण अनुपस्थित नही रहेगें, और न ही सक्षम अधिकारी के बिना अनुमति अवका पर रहेगें। उन्होंने कहा कि, सफाई जैसे अति आव यक सेवा के कार्य में कोताही बर्दास्त नही की जायेगी। नंदई में साफ-सफाई देख कर्मचारियों से चर्चा कर कहा कि. चौक-चौराहों एवं डिवाईडर के आस-पास पर्याप्त सफाई करना सुनि चित करें। कचरा संग्रहण स्थल से प्रतिदिन कचरा उठाकर पुरी तरह से साफ करें, जिससे आवागमन में परेशानी न हो। उन्होने नंदई एवं इंदिरा नगर नाला की भी जेसीबी के माध्यम से सफाई कराने कहा। आयुक्त श्री वि वकर्मा ने आरोग्य अस्पताल के बाजू खाली भूमि में मेडिकल वेस्ट बिखरे देख आस-पास के सभी अस्पतालों को नोटिस जारी करने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्दोत किए। उन्होने कहा कि, सभी अस्पतालों में मेडिकल वेस्ट देने की अलग व्यवस्था है, उसके बावजूद खुले में वेस्ट फैलाना गंभीर बात है। उक्त निर्दे का कडाई से पालन किया जाये। उन्होने सी-मार्ट का निरीक्षण कर संचालक से व्यवस्था संबंधी जानकारी लेकर समान व्यवस्थित रखने को साथ-साथ पर्याप्त साफ-सफाई रखने कहा।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर की प्रतिमाओं का 14 हजार नदियों के जल से अभिषेक

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी दादाबाड़ी में सोने चांदी के बरक व दिव्य औषधियों से 18 अभिषेक महापूजन विधान सम्पन्न

आज अष्टम ध्वजारोहण व सीमंधर स्वामी जन्मकल्याणक महोत्सव सह चौदह महास्वप्नों की पूजा, रात्रि में सीमंधर महिला मण्डल द्वारा प्रभु भक्ति का तम्बोला सह दादागुरुदेव इक्तिसा जाप

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन मान्यता अनुसार गिरनार जी स्थित गजपदकुण्ड में 14 हजार नदियों का जल समाहित है। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में 18 अभिषेक में जल अभिषेक हेतु गजपदकुण्ड का जल विशेष रूप से लाया गया है। इस विशेष जल से परमात्मा व सभी प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया।

आज प्रात: से ही भैरव सोसाइटी स्थित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में भक्तों का सैलाब उमड़ने लगा क्योकि आज मंदिर में स्थापित मूर्तियों को साल भर में होने वाली 84 अशातनाओ से शुद्ध मुक्त करने पूर्ण विधि विधान से 18 अभिषेक होना था उपरोक्त जानकारी श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने देते हुए बताया कि अभिषेक के लाभार्थी परिवार अत्यंत भक्ति भाव से सपरिवार उपस्थित हो रहे थे। विधिकारक श्री विमल गोलछा व नितेश गुरुजी के मार्गदर्शन में सबसे पहले भूमि शुद्धि हेतु वायु देवता का आव्हान आओ पधारो वायु देवता भूमि शुद्धि करवा ने के बोलो से मंदिर के सभा मंडप की शुद्धि कि फिर क्षेत्रपाल देवता का आव्हान कर उनसे अभिषेक कराने की आज्ञा ली फिर प्रारम्भ हुआ अभिषेक सबसे पहले स्वर्ण के बरक को गजपदकुण्ड के जल में मिलाकर प्रथम अभिषेक मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित मूलनायक श्री सीमंधर स्वामी सुमति नाथ जी पार्श्वनाथ जी कोली मंडप में स्थापित महावीर स्वामी गौतम स्वामी व दादाबाड़ी में स्थापित चारो दादागुरुदेव व अन्य देवी देवताओं सहित 18 मूर्तियों को पहले पुष्पांजलि फिर मंत्रोच्चारण के साथ लाभार्थी परिवारों द्वारा अभिषेक किया गया। ध्वजा महोत्सव प्रतिष्ठाचार्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी म. सा . के शुभ आशीर्वाद से उपाध्याय प्रवर, आध्यात्म योगी श्री महेन्द्र सागर जी के सुशिष्य उपाध्याय श्री मनीष सागर जी म सा के सुशिष्य श्री ॠजुप्रज्ञ सागर जी, श्री प्रशम सागर जी के पावन सानिध्य में आयोजित है। 18 अभिषेक के विधान का महत्व बताते हुए श्री ॠजुप्रज्ञ सागर जी म सा ने कहा कि प्रभु श्री सीमंधर स्वामी वर्तमान में महाविदेह क्षेत्र में विराजित है जिनका प्रत्यक्ष आशीर्वाद हमें मिलता है। विधिकारक नितेश गुरुजी द्वारा विभिन्न वन औषधियों से 18 अभिषेक पूर्ण किये गए। सुप्रसिद्ध गायक श्री दीप्ति बैद द्वारा चांद सा सुंदर मुखड़ा तेरा नैन है अमृत के प्याले वो तो कोई और नही है वो तो है सीमंधर स्वामी के बोलो से भक्ति रस से सभा को ओतप्रोत कर दिया, आगे ट्रस्टी नीलेश गोलछा व टीकम जैन ने बताया कि 23 अप्रैल को मंदिर का 8 वां ध्वजारोहण व सीमंधर प्रभु का जन्म कल्याणक महोत्सव भी है तथा पूरे भारत में ये मंदिर ही है जिसमे ध्वजा आरोहण प्राण प्रतिष्ठा व जन्म कल्याणक सीमंधर प्रभु का एक साथ देखने का सुअवसर हमे प्राप्त होता है, ध्वजा को फहराते देखना व उसमे सह भागिता से अनन्त पूण्य प्राप्त होता है। 18 अभिषेक महापूजन के लाभार्थी परिवार मूलनायक श्री सीमंधर स्वामी जी के तिलोक चंद शान्ति अशोक बरड़िया, श्री पार्श्वनाथ जी के सुराना परिवार, श्री सुमतिनाथ जी के अशोक चंद पुष्पा देवी कोचर, श्री महावीर स्वामी के तिलोक चंद कमला बाई गोलछा, श्री गौतम स्वामी जी के अशोक चंद कोचर, राजनांदगांव, चमत्कारी दादागुरुदेव श्री जिनकुशल सूरी जी के दिलीप दीपक कोठारी, भैरव सोसायटी, श्री जिनदत्त सूरि जी के इंदर चंद जय विजय सांखला, श्री जिनचंद्र सूरि जी के जोधराज सुशीला देवी महावीर स्वाति जैनम दुग्गड़, तरुण सुषमा कोचर परिवार लाभार्थी ने महापूजन का विधान सम्पन्न किया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश त्रिवेदी ने तिरुनेलवेली एक्सप्रेस, दुर्ग उधमपुर एक्सप्रेस, रायपुर एवं दुर्ग स्टेशन पर औचक अनाधिकृत वेंडर की जांच की

04 अनाधिकृत वेंडर पकडे गये, 03 पर लगेज के जुर्माने की कार्रवाई की गई

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधिकृत वेंडरों के माध्यम से गाडियों तथा स्टेशनों में गुणवत्तायुक्त खानपान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्टेशनों एवं गाडियों में यात्रियों को उपलब्ध कराई गई खानपान की गुणवत्ता को बरकरार रखने तथा उसमें लगातार सुधार हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। इसी संदर्भ में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी ने खुद ट्रेनों स्टेशनों में औचक अवैध वेंडर्स की जांच की इस जांच अभियान में 04 अनाधिकृत वेंडर पकडे गये, 03 पर लगेज जुर्माने की कार्रवाई कि गई। प्लेटफार्म पर ट्राली चलते हुए पाए जाने पर ?5000 का जुर्माना किया गया जबकि उन्हें केवल जनरल कोच के सामने ही सामान बेचने की अनुमति है। अन्य कई गतिविधियां जो नियमों के अनुसार नहीं थी उन पर भी फाइन किया गया।

ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करते पैसेंजर किन्नर पाए गए, अनाधिकृत रूप से दृष्टि बाधित व्यक्ति पान गुटखा मसाला तंबाकू सिगरेट बेचने वाले व्यक्ति पकड़े गए। 7- 8 स्टालों पर जाकर जनता खाना पूछा बेबी फूड भी पूछा जो की स्टालों पर उपलब्ध नहीं था। ट्रेनों में उचित कूलिंग सिस्टम नहीं पाया गया। स्टेशन पर उपलब्ध तापमान को कम करने के लिए लगाए गए मिस्टिंग सिस्टम को दुरुस्त कराया गया। पानी स्प्रे करने वाले नोजल्स काम नहीं कर रहे थे। स्टेशनों में उपलब्ध ठंडा पानी महंगा बेचा जा रहा था उसे पर कार्यवाही की गई। वेटिंग हॉल, प्लेटफार्म यात्रियों के बैठने के स्थान पर तापमानमापी उपकरणों से तापमान की भी जांच की गई। यात्रियों को शीतलता प्रदान हो इस हेतु आवश्यक प्लानिंग की जाएगी। 22619 बिलासपुर तिरुनेलवेली एवं 12549 दुर्ग-उधमपुर ट्रेन में इंस्पेक्शन किया। एक ही ट्रे में वेज एवं नॉनवेज खाना बेचने पर फूड प्लाजा पर 5000 रुपए की कार्यवाही की गई। रायपुर स्टेशन पर खानपान की विभिन्न अनियमिताओं में लगभग 37000 रुपए एवं दुर्ग स्टेशन पर 64000 का जुर्माना किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा की गई कार्यवाही में कुल 101000 रुपए का जुर्माना किया गया। श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं निरीक्षकों वेंडरों को सख्त हिदायत दी गई की भविष्य में ऐसी अनियमिताएं नहीं पाई जाए। रेलवे नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। सभी केटरिंग संचालकों को बिना प्लेटफार्म परमिट के प्लेटफार्म एवं गाडियों में खाद्य सामग्री नहीं बेचे जाने की सख्त हिदायत दी गई। मंडल रेल प्रशासन अनाधिकृत वेंडिंग को पूर्णत: बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा।

कृष्णा विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस केडीआरसीएसटी में अंतरविभागीय सेमिनार प्रतियोगिता सफलतापूर्वक सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। कृष्णा विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस केडीआरसीएसटी में 22/04/2025 को अंतरविभागीय सेमिनार प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें बीकॉम, बीबीए, बीसीए, बीएससी और बीएड जैसे विभिन्न विभागों के छात्रों ने अपनी शैक्षणिक अंतर्दृष्टि और प्रस्तुति कौशल का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन छात्रों के बीच अंत:विषय सीखने को प्रोत्साहित करने और सार्वजनिक बोलने की क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 11 बजे दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसमें डॉ डीएन देवांगन प्रिंसिपल कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर, डॉ सीमा अग्रवाल प्रिंसिपल कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन रायपुर, डॉ चंचल दीप कौर प्रिंसिपल कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च रायपुर जैसे गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हुआ। प्रतियोगिता में बीबीए, बीकॉम, बीसीए, बीएससी, बीएड जैसे विभागों की कुल 5 विभाग मौजूद थीं। प्रत्येक में 2 छात्र थे, जिन्हें अपने विषयों की प्रस्तुति के लिए

व्यक्तिगत रूप से 10 मिनट का समय दिया गया था। प्रत्येक टीम ने ई-कॉमर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टैक्स, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी शैक्षिक मनोविज्ञान, साझेदारी फर्म आदि सहित विविध और विचारोत्तेजक विषयों को प्रस्तुत किया, जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और गहन शोध को दर्शाता है। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के प्रोफेसर डॉ रितेश देवांगन और कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च रायपुर के प्रोफेसर डॉ संदीप सोनकर के प्रतिष्ठित जजों के पैनल द्वारा सामग्री, वितरण, विजुअल एड्स, समय प्रबंधन और दर्शकों की सहभागिता जैसे मानदंडों के आधार पर किया गया। प्रस्तुतियों के एक प्रतिस्पर्धी दौर के बाद, परिणाम घोषित किए गए।

प्रथम पुरस्कार हर्ष शर्मा बीबीए 2 सेमेस्टर विषयट्ठ ई-कॉमर्स, द्वितीय- सपना झा बीएड 2 सेमेस्टर विषय- शैक्षिक मनोविज्ञान, तृतीय- अंकुश कुमार झा बीसीए 2 सेमेस्टर विषय- कृत्रिम बुद्धिमत्ता।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, स्वयंसेवकों और निर्णायकों के प्रयासों की सराहना करते हुए ट्ठ द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सेमिनार ने न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया बल्कि कॉलेज के भीतर आपसी संबंधों को भी मजबूत किया। सेमिनार के समन्वयक श्री प्रदीप कुमार चापके और उप समन्वयक श्रीमती भावना साहू थीं।

संक्षिप्त समाचार

महापौर ने पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धमतरी(विश्व परिवार)। आज महापौर नगरनिगम धमतरी श्री रामू रोहरा ने जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय परिसर से पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पोषण रथ के माध्यम से जनसमुदाय को पोषण का महत्व के बारे में जानकारी दी जायेगी, जिससे बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में पोषण के स्तर में वृद्धि होगी। श्री रोहरा ने कहा कि जब हमारा समाज स्वस्थ्य होगा, तभी हम विकास की ओर अग्रसर हो सकते है। अधिकारियों ने बताया कि यह पोषण रथ नगरीय निकाय क्षेत्र और आसपास के गांवों में जाकर पोषण संबंधी जानकारी देगा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस वर्ष पोषण पखवाडा की मुख्य थीम ''जिले को कुपोषण मुक्त करना, स्वस्थ्य जीवन शैली, जीवन के महत्वपूर्ण 1000 दिन महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देना है''। जिले में कुपोषण से मुक्ति के लिए जनजागरूकता तथा समुदाय तक पहुंच हेतु संवेदीकरण एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन जैसे पोषण की पढाई भी, टीकाकरण शिविर, गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, अन्नप्राशन, स्वसहायता समूहों की बैठक, खेलकूद, योग शिविर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं के प्रतिनिधियों, निकाय के प्रतिनिधियों एवं अन्य सहयोगी विभागों के सहयोग से ''पोषण पखवाडा 2025'' का आयोजन किया जा रहा है।

आईईडी विस्फोट में जवान शहीद

बीजापुर(विश्व परिवार)। जिला - बीजापुर तोयनार- फरसेगढ़ रोड निर्माण में आरएसओ ड्यूटी में लगे 19/सी सीएएफ के जवान मनोज पुजारी उम्र 26 वर्ष ड्यूटी के दौरान प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से शहीद हो गए। घटना तोयनार से 4 किमी दूर फरसेगढ़ की ओर जंगल का है। ग्रामीण को लाभान्वित करना कार्यों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध जवान को निशान बनाना माओवादीयों के एक कायरतापूर्ण कृत्य है। क्षेत्र में सर्च अभियान लगातार जारी है।

बिलाई माता मंदिर, गौशाला मैदान के पास सट्टा लिख रही दो महिला गिरफ्तार

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी पुलिस थाना सिटी कोतवाली धमतरी को मुखबिर सूचना मिली की दो महिलाओं द्वारा गौशाला मैदान के पास विंध्यवासिनी वार्ड धमतरी में आम जगह पर सट्टा नामक जुआ खेला रही हैं की सूचना पर तत्काल थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर टीम द्वारा दबिश देकर मुखबिर के बताये जगह पर दो आरोपिया द्वारा आम जगह में लोगो से पैसा लेकर हारजीत का खेल अंको वाली सट्टा पट्टी नामक जुआ खिलाते रंगे हाथ पकड़ा गया, पुलिस को देखकर सट्टा लिखवा रहे लोग भाग गये,और सट्टा खिलाने वाली दोनों आरोपिया सुल्ताना बेगम पति फिरोज खान उम्र 53 वर्ष, मेहरून निशा पति ईकबाल अहमद उम्र 50 वर्ष सा0 रामबाग धमतरी को पकडा गया। आरोपिया से जप्त संपत्ति :- 03 नग सट्टा पट्टी विभिन्न अंक व हजारों की रकम लिखा,दो नग डाट पेन,दो नग मोबाईल तथा नगदी रकम -7200/- रूपये गवाहों के समक्ष जब्त कर थाना सिटी कोतवाली धमतरी के अप.क्र.105/25,छत्तीसगढ़ जुआ अधिनियम वर्ष 2022 धारा 6 (ख) जुआ एक्ट के तहत,दोनों आरोपिया के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

कोरबा पुलिस की अवैध पार्किंग पर सतत कार्रवाई जारी

कोरबा। नो पार्किंग स्थलों पर अवैध रूप से वाहनों के खड़े किए जाने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों पर यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विगत दो दिनों के दौरान यातायात पुलिस द्वारा टीपी नगर, राताखार, सीएसईबी चौक,ट्रांसपोर्ट नगर सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। इस दौरान नो पार्किंग में खड़े कुल 72 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए ₹21,600 समन शुल्क वसूल किया गया है। यह अभियान आगे भी शहर के अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतत रूप से जारी रहेगा।

कोरबा पुलिस की नागरिकों से अपील : नगर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए कोरबा पुलिस सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करती है। आपसे अनुरोध है कि अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें एवं नो पार्किंगजैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में वाहन खड़ा करने से परहेज़ करें। अवैध पार्किंग न केवल सामान्य यातायात को बाधित करती है, बल्कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं के संचालन में भी गंभीर अड़चन उत्पन्न कर सकती है। आपका छोटा सा सहयोग—जैसे वाहन को सही स्थान पर खड़ा करना—शहर को जाममुक्त, सुरक्षित और सुगम बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता एवं समय सीमा में कार्य करने का दिये निर्देश

ज्योति नर्सरी से करकापाल व बोधघाट थाना तक 4.50 किलोमीटर सड़क,लागत 09 करोड़ 36 लाख से हो रहा निर्माण

जगदलपुर (विश्व परिवार)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक श्री किरण देव ने सोमवार को जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में ज्योति नर्सरी से करकापाल जंक्शन एवं बोधघाट थाना तक निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ समय सीमा में काम करने के आवश्यक निर्देश दिये।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने जगदलपुर के जनमानस की बहुप्रतीक्षित मांग ज्योति नर्सरी से करकापाल एवं बोधघाट थाना तक 4.50 किलोमीटर सड़क,जिसकी लागत 9 करोड़ 36 लाख रुपए की राशि से सड़क मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण निर्माण कार्य हो रहा है जिसके निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। श्री देव ने बताया इस मार्ग की मांग वर्षों से क्षेत्रवासियों ने किया था , हमारी सरकार बनने के पश्चात इस मार्ग की मांग माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री अरुण साव जी से मांग रखा गया था जिस पर हमारी डबल इंजन की सरकार ने स्वीकृति के पश्चात निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया । निर्माण कार्य तेरी गति से चल रहा है जिसका 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है शेष कार्य को भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा और जनता को जल्द सड़क निर्माण का सौगात प्राप्त होगा। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों एवं शहर वासियों को आवागमन की काफी सुविधा होगी । श्री देव ने कहा कि जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्र में लगातार चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं । जनमानस को मूलभूत सुविधा देना हमारा दायित्व एवं कर्तव्य है जिसको हमारी सरकार में लगातार पूरा किया जा रहा है । प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है । निरीक्षण के दौरान जनपद अध्यक्ष श्री पदलाम नाग, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप, श्री रिंकू पांडे, कार्यपालन अभियंता श्री राजीव बतरा, उप अभियंता सी बी केसरिया, मोहम्मद परवेज खान एवं अक्षय सिंह साथ उपस्थित थे ।

गरियाबंद पुलिस ने पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

गरियाबंद, (विश्व परिवार)। गरियाबंद जिले के छुरा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चाकू से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतिका बिसनी मारकण्डे (उम्र लगभग 35 वर्ष) की शादी 15 वर्ष पूर्व गोपीराम मारकण्डे निवासी महासमुंद से हुई थी। घरेलू विवादों के चलते बिसनी बीते दो वर्षों से अपने मायके छुरा में अपनी मां सरोज बाई आदिल के साथ रह रही थीं। उनके दो बच्चे पिता के पास महासमुंद में रहते थे और स्कूल की छुट्टियों में मां से मिलने छुरा आए हुए थे। 20 अप्रैल को बिसनी रायपुर से केटरिंग का काम कर लौटी थीं। अगले दिन सुबह लगभग 11 बजे पड़ोसी द्वारा बिसनी के भाई को सूचना दी गई कि गोपीराम ने बिसनी पर चाकू से हमला किया और मौके से फरार हो गया। भाई के मौके पर पहुंचने पर बिसनी को कराहने की आवाज सुनकर तुरंत एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी गई।

घायल अवस्था में बिसनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि गोपीराम अपनी पत्नी को वापस महासमुंद ले जाना चाहता था, परंतु बिसनी ने इनकार कर दिया। इसी विवाद के चलते आरोपी ने गुस्से में आकर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने मामले में धारा 103(1) हत्या के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। पर्याप्त सबूत मिलने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी का विवरण:
नाम: गोपीराम मारकण्डे
पिता का नाम: हेमलाल मारकण्डे
उम्र: 36 वर्ष
निवासी: महासमुंद, थाना सिटीकोटवाली, जिला महासमुंद

आवास प्लस 2.0 : मोर दुवार, साय सरकार के तहत विधायक नेताम ने किया पोटगांव में सर्वे

कांकेर(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित पात्र परिवारों को जोड़ने प्रदेश भर में आवास प्लस 2.0 मोर दुवार साय सरकार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने ग्राम पंचायत पोटगांव का मोर दुवार साय सरकार अंतर्गत आवास सर्वे किया। उन्होंने छूटे हुए पात्र परिवारों का नाम 30 अप्रैल तक सर्वे सूची में जोड़ने तथा सर्वे का कार्य पूर्ण करने के लिए सचिव एवं रोजगार सहायक को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवास प्लस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पात्र परिवारों का सर्वे किया जा रहा है। साथ ही ग्रामवासियों से भी आवास प्लस में छूटे हुए पात्र परिवारों का नाम जोड़ने हेतु सर्वे में सहयोग करने की भी बात कही। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, जनपद सदस्य श्री पंचू राम नायक, मिथलेश मंडावी, नितेश कुमार सलाम, अशोक कुमार कचलाम एवं सरपंच श्रीमती देवकुमारी मंडावी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वे हेतु पात्र हितग्राही के पास मोटरयुक्त तिपहिया एवं चौपहिया वाहन नहीं होना चाहिए। मशीनीकृत तिपहिया, चौपहिया कृषि उपकरण न हो, हितग्राही के पास 50 हजार अथवा इससे अधिक ऋण सीमा वाले किसान क्रेडिट कार्ड न हो। इसके अलावा वे परिवार जिनका कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी न हो तथा सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम वाले परिवार न हो। ऐसे परिवार जिनका कोई सदस्य 15 हजार रूपए से अधिक प्रतिमाह न कमा रहा हो, आयकर एवं व्यवसाय कर देने वाले परिवार न हो। जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि न हो तथा 05 एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि न हो। ऐसे हितग्राहियों को इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

युवक कांग्रेस नेता हेमंत भोयर की मौत, सोची-समझी साजिश

कोंडागांव(विश्व परिवार)। जिले के युवक कांग्रेस के उपाध्यक्ष हेमंत भोयर की संदिग्ध मौत को लेकर पुलिस ने शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी किया है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि यह महज एक हादसा नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या थी। कार से टक्कर के बाद भी कांग्रेसी नेता हेमंत भोयर जीवित था। टक्कर के बाद उसकेरॉड से सिर पर वार कर किया गया था। मामले में भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी पुरेंद्र कौशिक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। दरअसल, 18 अप्रैल को हेमेंद्र भोयर अपनी भाभी चंपी भोयर के साथ शादी का कार्ड बांटने के लिए कोंडागांव जा रहे थे, तभी डोंगरीगुड़ा ढाबे के पास पीछे से तेज रफ्तार में बीजेपी नेता ने टक्कर मार दी। हादसे में हेमंत गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। शुरुआती जांच में इसे सड़क दुर्घटना माना गया था, लेकिन परिजनों के शक के बाद पुलिस ने जांच की दिशा बदली। जांच में सामने आया कि आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते जानबूझकर टक्कर मारी थी। इतना ही नहीं, हादसे के बाद भी जब हेमंत की मौत नहीं हुई थी, तब कथित रूप से पुरेंद्र कौशिक ने लोहे की पाइप से उनके सिर पर वार कर हत्या की। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

वृद्धा की पुश्तैनी जमीन पर कब्जा, खून से पत्र लिख राष्ट्रपति से लगाई मदद की गुहार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां जमीन विवाद से परेशान महिला ओम बाई बघेल ने जब स्याही से लिखी आवेदन से न्याय नहीं मिला तो उसने अपनी खून से राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर पोस्ट किया है. यह मामला छुरा का है. टीबी जैसे गंभीर रोग से जूझ रही 70 वर्षीय ओम बाई ने पत्र में लिखा है कि अपनी पुश्तैनी जमीन में रिवाज के मुताबिक पूर्वजों का मठ (समाधि) बनाया था, जिसे छुरा में रहने वाले संतोष सारड़ा ने तुड़वा दिया. न केवल पुरखौती जमीन पर काबिज किया बल्कि उसके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया. इसकी शिकायत उसने कलेक्टर, एसपी से लेकर जिले के सभी बड़े अफसरों से की थी पर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उसने जुल्म की कहानी खून से लिखकर राष्ट्रपति के नाम स्पीड पोस्ट किया है.आज जिले में नए कलेक्टर भगवान उईके ने तत्कालीन कलेक्टर दीपक अग्रवाल से भार ग्रहण किया है. इधर जब भार ग्रहण की प्रकिया चल रही थी उधर ओम बाई ने खून से पत्र लिखा और स्पीड पोस्ट की, इसकी तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो रही है. पीड़िता को अब नए कलेक्टर भगवान से उम्मीद है.पीड़िता ओम बाई का एक रोते हुए वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उसने बताया है कि किस तरह उसके पुरखों की जमीन पर कब्जा किया गया. कब्जा के दरम्यान पूर्वजों के मठ को तोड़ा गया. इस दरम्यान महिलाओं के साथ बार-बार अपमान जनक व्यवहार किया जाता रहा. इस मामले में प्रशासन की ओर से छुरा तहसीलदार ने दलील दी है कि पिछले तीन साल से चल रहे जमीन विवाद में संतोष सारडा के पक्ष में फैसला आया है. राजस्व अधिनियम के मुताबिक उसे कब्जा दिलाया गया है. कब्जा दिलाकर हम लौट आए थे.

ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था के लिए ग्रामीण इलाकों में चलाया जा रहा हैंडपंप एवं सोलर ड्यूल पंप संधारण अभियान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री हरिस एस के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल के दौरान जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दृष्टिकोण से हैंडपंप और सोलर ड्यूल पम्पों का संधारण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत मरम्मत योग्य हेण्डपम्पों तथा सोलर ड्यूल पम्पों का सुधार किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत जिले में अब तक 508 हेण्डपम्पों का मरम्मत किया गया है, साथ ही 23 सोलर ड्यूल पम्पों का सुधार किया गया है। इस बारे में कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जगदलपुर श्री एचएस मरकाम ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गर्मी के दिनों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंप और सोलर ड्यूल पम्पों का रखरखाव सुनिश्चित किए जाने के लिए 15 मार्च 2025 से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा क्रेडा के विभागीय अमले द्वारा समन्वय स्थापित कर मरम्मत योग्य हैंडपंप और सोलर ड्यूल पम्पों का सुधार किया जा रहा है। इस कार्य के लिए आवश्यक स्पेयर-पार्ट्स, राइजिंग पाइप सहित अन्य जरूरी सामग्रियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित किया गया है। साथ ही उक्त संधारण अभियान का नियमित तौर पर मॉनिटरिंग किया जा रहा है।

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था हेतु टोलफ्री नम्बर जारी- शिकायत निवारण हेतु ब्लॉक स्तर पर प्रभारी अधिकारी नियुक्त- ज्ञात हो कि

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित शिकायत निवारण के लिए प्रत्येक ब्लॉक में प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही समस्या समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा टोलफ्री नंबर 1800-233-0008 जारी किया गया है। इस बारे में कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जगदलपुर श्री एचएस मरकाम ने बताया कि उक्त टोलफ्री नम्बर द्वारा सीधे विभाग से संपर्क कर पेयजल सम्बन्धी समस्या के बारे में अवगत कराया जा सकता है। वर्तमान में जिले के ग्रामीण इलाकों में मरम्मत योग्य हैण्डपम्पों का सुधार किया जा रहा है। साथ ही क्रेडा के माध्यम से सोलर ड्यूल पम्पों का संधारण सुनिश्चित किया जा रहा है। पेयजल व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में शिकायत निवारण के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारी के तहत दरभा एवं लोहण्डीगुड़ा हेतु एसडीओ श्री हिरेन्द्र बघेल मोबाइल नंबर 78289-57721, बास्तानार एवं तोकापाल के लिए उप अभियंता श्री एसएस पैकरा मोबाइल नंबर 75873-62080, बकावण्ड एवं बस्तर हेतु उप अभियंता श्री आलोक मंडल मोबाइल नंबर 99936-99227 और जगदलपुर ब्लॉक के लिए एसडीओ श्रीमती के. सुनिता मोबाइल नंबर 94252-65225 को दायित्व सौंपा गया है। इन प्रभारी अधिकारियों से भी संपर्क कर पेयजल सम्बन्धी समस्या के सम्बंध में अवगत कराया जा सकता है।

व्यापार समाचार

भारतीय शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स ने लगाई जबरदस्त छलांग

मुंबई(एजेंसी) । सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच सोमवार को घरेलू बेंचमार्क हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9.29 बजे सेंसेक्स 396.06 अंक या 0.50 प्रतिशत बढ़कर 78,949.26 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 98.20 अंक या 0.41 प्रतिशत बढ़कर 23,949.85 पर था। निफ्टी बैंक 862.25 अंक या 1.59 प्रतिशत बढ़कर 55,152.45 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 233.50 अंक या 0.44 प्रतिशत बढ़कर 52,891.30 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 50.15 अंक या 0.31 प्रतिशत चढ़कर 16,460.35 पर था। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, सकारात्मक शुरुआत के बाद, निफ्टी को 23,700 पर समर्थन मिलने की संभावना है, उससे पहले 22,600 और 22,500 पर समर्थन मिल सकता है। ऊपर की ओर, 24,000 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है, उसके बाद 24,200 और 24,500 स्तर पर प्रतिरोध हो सकता है। चॉइस ब्रोकिंग के मंदार भोजने ने कहा, बैंक निफ्टी चार्ट 54,000 पर संभावित समर्थन का संकेत देते हैं, उसके पहले 53,700 और 53,500 पर समर्थन मिल सकता है। अगर सूचकांक ऊपर जाता है तो 54,500 पर प्रतिरोध हो सकता है, जिसके बाद 54,700 और 55,000 स्तर पर प्रतिरोध हो सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि बड़े प्राइवेट बैंक बढ़त हासिल कर नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। सप्ताह के अंत में बैंक के तिमाही नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहे और बाजार को ऊपर ले जाने में मददगार रहे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा कि जैसे-जैसे अर्निंग सीजन आगे बढ़ेगा, बाजार प्रतिभागी कॉरपोरेट कमेंट पर नजर बनाए रखेंगे ताकि यह जांचा जा सके कि कंपनियां नई टैरिफ व्यवस्था को किस तरह अपनाती हैं और वे वे सप्लाई चेन और कस्टमर बेस को लेकर किस तरह की प्रतिक्रिया देती हैं। इस बीच, सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर्स रहे। जबकि, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, टाइटन, सन फार्मा और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप लूजर्स रहे। अमेरिकी बाजारों में गुरुवार को आखिरी कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 1.33 फीसदी की गिरावट के साथ 39,142.23 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.13 फीसदी बढ़कर 5,282.70 पर और नैस्डैक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 16,286.45 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में चीन और बैंकॉक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि जकार्ता, जापान और सोल लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 17 अप्रैल को तीसरे दिन भी खरीदारी जारी रखी और 4,667.94 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने तीसरे सत्र में भी बिकवाली जारी रखी और उसी दिन 2,006.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

भारत में जल्द आ सकती है स्टारलिंक इंटरनेट सेवा, केंद्रीय मंत्री से मिले कंपनी प्रतिनिधि

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक द्वारा सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा लॉन्च किए जाने की चर्चाएं पिछले कई महीनों से चल रही हैं, लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि देश में हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट कनेक्टिविटी का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। हाल ही में स्टारलिंक के कई बड़े प्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। इस मुलाकात के बाद से भारत में स्टारलिंक की एंट्री को लेकर कयास तेज हो गए हैं। स्टारलिंक की सैटेलाइट बेस्ड इंटरनेट कनेक्टिविटी का एक बड़ा फायदा यह होगा कि यह उन क्षेत्रों में भी आसानी से इंटरनेट उपलब्ध करा सकती है जहां पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क के टावर या केबल ब्रॉडबैंड की सुविधा नहीं है। इससे देश के दूरदराज और दुर्गम इलाकों में भी डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाई जा सकेगी। हालांकि, भारत में स्टारलिंक कनेक्शन लेने के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी और इसका मासिक खर्च कितना होगा, इसकी फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी कंपनी या सरकार की तरफ से नहीं दी गई है। लेकिन कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो भारत में इसकी मासिक कीमत करीब 9,000 रुपये से लेकर 10,500 रुपये तक की हो सकती है। यह कीमत फिलहाल अमेरिका जैसे देशों में ली जाने वाली फीस के बराबर है। अगर भारत में इसी कीमत में इसे लॉन्च किया जाता है, तो यह आम नागरिकों के बड़े वर्ग की पहुंच से दूर हो सकता है। मासिक शुल्क के अलावा, स्टारलिंक सर्विस का फायदा लेने के लिए ग्राहकों को एक खास तरह की किट भी खरीदनी होगी। इस किट में सैटेलाइट डिश, राउटर और इंस्टॉलेशन के लिए जरूरी सपोर्ट शामिल होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्टारलिंक के इस किट की कीमत 30 हजार रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक हो सकती है। अनुमान लगाया जा रहा है कि ग्राहकों को पहले साल के लिए कुल डेढ़ लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं, जिसमें किट की कीमत और मासिक शुल्क शामिल होगा, जबकि दूसरे साल से सिर्फ मासिक सर्विस फीस ही देनी होगी। स्पीड की बात करें तो स्टारलिंक के जरिए भारत में हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी मिलने वाली है। बताया जा रहा है कि इसमें यूजर्स को सामान्य तौर पर 100स्नड्ढश्चह्य से लेकर 200 स्नड्ढश्चह्य तक की तगड़ी इंटरनेट स्पीड मिलेगी। इसमें मौजूदा ब्रॉडबैंड की तुलना में लेटेंसी (डेटा ट्रांसफर में लगने वाला समय) भी कम होगी, जिससे ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और वीडियो कॉल जैसे कामों में काफी बेहतर एक्सपीरियंस मिलेगा। केंद्रीय मंत्री के साथ हुई मुलाकात और सैटेलाइट इंटरनेट की आवश्यकता को देखते हुए, माना जा रहा है कि सरकार जल्द ही स्टारलिंक या अन्य सैटेलाइट इंटरनेट प्रदाताओं के लिए भारत में परिचालन शुरू करने के रास्ते खोल सकती है। हालांकि, कीमत का पहलू एक महत्वपूर्ण कारक रहेगा जो यह तय करेगा कि यह सेवा कितने लोगों तक पहुंच पाएगी।

मुंबई ने दर्ज की लगातार तीसरी जीत, चेन्नई को 9 विकेट से हराया, रोहित-सूर्य ने खेली अर्धशतकीय पारी

मुंबर्द(एजेंसी)। आईपीएल 2025 के 38वें मैच में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हरा दिया है. वानखेडे स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सीएसके ने एमआई के सामने जीत के लिए 177 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसको मुंबई ने रोहित के नाबाद 76 और सूर्य के नाबाद 68 रनों की बदौलत आसानी से 15.4 ओवर में 1 विकेट खोकर ही हासिल कर लिया. इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में 8 मैच में 8 अंक के साथ छटें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि चेन्नई 8 मैच में 4 अंक के साथ अभी भी सबसे निचले स्थान पर बनी हुई है. मुंबई इंडियंस ने लगभग तीन साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर अपनी पहली जीत दर्ज की. एमआई ने आखिरी बार 12 मई, 2022 को सीएसके को हराया था, जब उन्होंने विपक्ष को पांच विकेट से हराया था. उसके बाद, एमआई बनाम सीएसके के चार मैच खेले गए, जिसमें सभी मौकों पर सीएसके विजयी रही. 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, एमआई ने पारी की शुरुआत में ही रयान रिकेल्टन (24) का विकेट खो दिया. हालांकि, इसके बाद रोहित शर्मा (नाबाद 76) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68) ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की. रोहित ने पावरप्ले में कुछ आक्रामक स्ट्रोक खेले, लेकिन बाद में पारी में सावधानी बरती क्योंकि सूर्यकुमार ने दूसरे छोर से गियर बदलना शुरू कर दिया. इस जोड़ी ने टीम को धोनी एंड कंपनी पर नौ विकेट से जीत दिलाने में मदद की. इससे पहले मैच में, मुंबई ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया.

इंस्टाग्राम का बलैंड फीचर क्या है? जिससे रील्स देखना और भी पर्सनल व मेजदार होगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम आजकल फेसबुक से ज्यादा लोकप्रिय हो गया है। इंस्टाग्राम में काफी एडवांस फीचर्स भी है। हाल ही में इंस्टा यूजर्स की सुविधा के लिए एक और फीचर लॉन्च किया है। जिसका नाम बलैंड (क्ब्यद्गठ्ठस्त्र) है। ये फीचर खासतौर पर उन यूजर्स के लिए बनाया गया है जो अपने दोस्तों के साथ रील्स देखने और शेयर करने का मजा उठाते है। क्ब्यद्गठ्ठस्त्र फीचर से इंस्टाग्राम का इस्तेमाल अब और भी पर्सनल और मेजदार हो जाएगा। आपको बता दें कि बलैंड एक ऐसा फीचर है जिसमें आप और आपका कोई दोस्त एक साथ इंस्टाग्राम रील्स का माजा ले सकते हैं। आप अब किसी के साथ भी बलेंड में जुड़ते हैं तो इंस्टाग्राम आपके और उस दोस्त की पसंद के हिसाब से रील्स सजेस्ट करता है। इसका मतलब दोनों इंटरेस्ट का मिलाजुला कंटेंट एक फीड में दिखाया जाएगा। अगर आप किसी दोस्त को क्ब्यद्गठ्ठस्त्र इनवाइट भेजते हैं। इसके बाद जब वो इनवाइट एक्सेप्ट कर लेता है तो दोनों के लिए एक स्पेशल रील्स फीड बन जाती है। इसमें दोनों की पसंद के हिसाब से वीडियो दिखते हैं। क्ब्यद्गठ्ठस्त्र फीड को आप चैट के जरिए एक्सेस कर सकते हैं। दोस्तों के साथ ऋद्गद्गद्यह्य शेयर करने और देखने का नया एक्सपीरियंस मिलेगा। क्ब्यद्गठ्ठस्त्र फीचर से इंस्टाग्राम का एक्सपीरियंस और ज्यादा खास और पर्सनल हो जाएगा।

एमआई से करारी हार के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल रिटायरमेंट को लेकर दिया हिंट

अपने बयान से सभी को चौंकाया

मुंबई(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 38वें मैच में मुंबई इंडियंस ने चिर-प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई. इस जीत के साथ एमआई ने 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ प्वाइंट्स टेबल में छठे स्थान पर छलांग लगाई. वहीं, सीएसके सिर्फ 2 मैचों में जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है. मुंबई से हार के बाद चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुछ चौंकाने वाली बातें कहीं, जिसने सभी को चौंका दिया. मैच के बाद सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने कहा, %हमें यह समझने की जरूरत है कि हम सिर्फ इसलिए सफल हैं क्योंकि हम अच्छा क्रिकेट खेलते हैं. हमें ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिए. हमें एक बार में एक मैच खेलना होगा और अगर हम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाते हैं, तो हमें अगले सीजन के लिए अपनी रणनीति के बारे में सोचना होगा%. आगामी सीजन के बारे में बात करते हुए धोनी ने संकेत दिया है कि वह आईपीएल 2026 में भी खेल सकते हैं. इसका मतलब यह है कि उन्होंने अभी तक संन्यास का कोई संकेत नहीं दिया है, जो उनके फैंस के लिए खुशी की बात है. मैच के बाद धोनी ने कहा कि हमने औसत से थोड़ा कम स्कोर बनाया. मुंबई ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी जल्दी शुरू की. हमें शुरू में ही स्लॉग शॉट खेलना चाहिए था. उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और हम कभी भी लड़ने लायक स्कोर नहीं बना सके. यदि आप पहले 6 ओवरों में अधिक रन बनाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि गेंद बल्ले पर ठीक से आ रही है. इस हार के कारण सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना काफी कम हो गई है. मैच की बात करें तो, चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस हार पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में (176/5) का स्कोर बनाया.

भारत को आईएमएफ और विश्व बैंक 'वैश्विक व्यापार के इंजन' के रूप में देखते हैं : वित्त मंत्री सीतारमण

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मौजूदा सरकार द्वारा प्रदान की गई स्थिरता के कारण 'भारत' सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, जब हम कहते हैं कि भारत एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है तो इस तथ्य को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) भी स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि अपनी विकास क्षमता के कारण भारत विश्व व्यापार को बढ़ाने वाले एक इंजन के रूप में काम कर सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि इस क्षमता के विकास के साथ हम वैश्विक स्तर पर विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण देखे जा रहे ट्रेंड को बदल सकते हैं। मौजूदा ट्रेंड में ग्रोथ और ट्रेड दोनों ही कम हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर मुद्रास्फीति अधिक है, जिसकी वजह से लोग सोच रहे हैं कि भविष्य में मंदी आने वाली है। उन्होंने आगे कहा, अगर इन मौजूदा परिस्थितियों में भी भारत की क्षमता को पहचाना जा रहा है और इसकी आर्थिक ताकत को स्वीकारा जा रहा है तो इस क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले लोग भारत के साथ व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से, कॉरपोरेशन टू कॉरपोरेशन की साझेदारी से लाभ पा सकते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की साझेदारी से दोनों ही देशों को लाभ मिलता है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, साथ मिलकर, हम वैश्विक व्यापार और विकास को आगे बढ़ाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा योगदान है जो यहां रहने वाले भारतीय प्रवासी दे सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय प्रवासियों से अपील की कि वे अधिक रुचि लें और अपने चुने हुए क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करें। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के कदमों पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, कोविड-19 महामारी के दौरान, हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया था। लेकिन 2021 में, हम एक स्पष्ट संकेत के साथ आए कि हम अपने राजकोषीय घाटे का प्रबंधन किस तरह करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम हर साल बिना किसी चूक के इसका पालन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का प्राथमिक ध्यान 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

OPPO ने लॉन्च किया K13 5G 17,999 रुपये से शुरू होने वाला एक ओवरपावर्ड परफॉरमेंस स्मार्टफोन

नईदिल्ली। OPPO India ने OPPO K13 5G लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन पॉवर एफिशिएंसी और प्रीमियम यूजर अनुभव के साथ ओवरपावर्ड परफॉरमेंस प्रदान करता है। इसमें स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म के साथ 80W SUPER-VOOC फ़ास्ट चार्जर और 7000mAh की ग्रेफाइट बैटरी दी गई है। यह सेगमेंट में सबसे ज़्यादा VC कूलिंग, 120Hz FHD+ AMOLED डिस्प्ले और इंटेलिजेंट नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ेशन के साथ आता है, ताकि बेहतर मल्टीटास्किंग, दिलचस्प गेमिंग, लंबी बैटरी लाइफ़और भरोसेमंद कनेक्टिविटी मिल सके। OPPO K13 5G उपयोगी इनोवेशन, आधुनिक इंजीनियरिंग एंड शानदार डिज़ाइन पेश करने की OPPO की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, ताकि यह अपने सेगमेंट में सबसे बेहतर परफॉरमेंस प्रदान कर सके। OPPO K13 5G 25 अप्रैल 2025 से OPPO ई-स्टोर और फ्लिपकार्ट पर दोपहर 12 बजे से दो रंगों - आइसी पर्पल और प्रिज्म ब्लैक में उपलब्ध होगा। इसके 8GB+128GB वैरिएंट का मूल्य 17,999 रुपये और 8GB+256GB वैरिएंट का मूल्य 19,999 रुपये है। इस स्मार्टफोन पर ग्राहकों को केवल सेल के दिन चुनिंदा बैंक ऑफर्स के साथ 1000 रुपये का तत्काल डिस्काउंट या 1000 रुपये का एक्सचेंज बोनस दिया जाएगा, जिससे इसका मूल्य क्रमशः 16,999 रुपये और 18,999 रुपये हो जाएगा। इसके अलावा लॉन्च के ऑफर्स में छह महीने तक की नो कॉस्ट EMI शामिल है, जिससे OPPO K13 5G का मूल्य प्रस्ताव और ज्यादा बेहतर हो गया है। OPPO India में हेड, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, सैवियो डिसूजा ने कहा, हमारा OPPO K13 ओवरपॉवर्ड अनुभव को 20,000 रुपये से कम मूल्य के सेगमेंट में प्रदान कर रहा है। K13 में स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 चिपसेट, सेगमेंट में सबसे अच्छी VC कूलिंग तथा हमारी इंटेलिजेंट ग्रेफाइट बैटरी टेक्नोलॉजी तक हर पहलू बेहतरीन परफॉरमेंस प्रदान करने के लिए इंजीनियर किया गया है।

पॉलीकैब इंडिया ने फैन कैटेगरी में अपनी पकड़ मजबूत की; सुपर ROI फैंस लॉन्च किए - बेहतरीन एयर डिलीवरी, शानदार बचत

मुंबई। इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस में अग्रणी कंपनी पॉलीकैब इंडिया फैन कैटेगरी में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रही है। कंपनी ने सुपर ROI फैंस की नई रेंज लॉन्च की है, जो इस श्रेणी में रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (ROI) के नए स्टैंडर्ड कायम करेगी। यह रेंज शानदार प्रदर्शन, ऊर्जा दक्षता और आधुनिक डिज़ाइन का बेहतरीन तालमेल प्रस्तुत करती है। बढ़ती ऊर्जा लागत और विकसित हो रही उपभोक्ता प्राथमिकताओं के साथ, पॉलीकैब नए और आधुनिक ऐसे समाधान देने के लिए समर्पित है जो ग्राहकों के लिए उनके पैसों का बेहतर मूल्य सुनिश्चित करते हैं। पॉलीकैब के सुपर ROI Fans बीएलडीसी तकनीक से लैस हैं, जो 50% तक बिजली की बचत करने में सक्षम हैं। इसके कुछ विशेष बीएलडीसी मॉडल 25% अधिक एयर डिलीवरी प्रदान करते हैं। रिवर्स रोटेशन की सुविधा सर्दियों में भी आरामदायक माहौल बनाए रखने में मदद करती है। 100% कॉपर वाइंडिंग मोटर से निर्मित ये पंखे लंबे समय तक साथ निभाते हैं। ये पंखे 4 साल की वारंटी के साथ आते हैं। ये आधुनिक डिज़ाइन में 30 से अधिक रंगों में उपलब्ध हैं, जो आपके होम डेकोर को और सुंदर बनाते हैं। सुपर ROI पंखे अपने ग्राहकों को रिटर्न ऑन परफॉर्मेंस, रिटर्न ऑन टेक्नोलॉजी और रिटर्न ऑन प्रोडक्ट का वादा करते हैं, जिससे यह एक स्मार्ट और लाभदायक निवेश बन जाता है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, पॉलीकैब ने फैन कैटेगरी में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। कंपनी ने 9 मिलियन से अधिक फैंस के उत्पादन की क्षमता वाला एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया है। इस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को एक एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर की ओर से सपोर्ट प्रदान किया जाता है। इस तरह मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में गहन उपभोक्ता शोध के आधार पर निरंतर नए प्रयोग किए जाते हैं और बेहतरीन प्रोडक्टस उपलब्ध कराये जाते हैं। लॉन्च के अवसर पर, पॉलीकैब इंडिया के एक्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट और चीफ बिजनेस ऑफिसर (B2C), श्री ईशविंदर खुराना ने कहा, 卐आज के उपभोक्ता अपने होम अप्लायंसेस से अधिक उम्मीद रखते हैं। बदलती ज़रूरतों और बढ़ती ऊर्जा लागत के कारण, 61% उपभोक्ता ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देते हैं, बिना प्रदर्शन या डिज़ाइन के साथ समझौता किए। इसी मांग को पहचानते हुए, फैंस पॉलीकैब इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र बन गए हैं। हमारे रुड़की प्लांट की सफलता के बाद, हमने हलोल में एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित की है, जिससे हमारे विस्तार को और गति मिलेगी। सुपर ROI पंखे पारंपरिक अपेक्षाओं से भी बहुत आगे हैं और पॉलीकैब इंडिया के नवाचार और दीर्घकालिक लाभ देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं और ऐसे समाधान पेश करते हैं जो वास्तव में समय के साथ आपके पैसों का पूरा मूल्य चुकाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 23 अप्रैल 2025

मुंबई में टेक्सटाइल और स्टील उद्योग के दिग्गजों से मिलेंगे मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 23 और 24 अप्रैल को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आयोजित वस्त्र एवं इस्पात उद्योग के दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजनों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय इन अवसरों पर राज्य की नई औद्योगिक नीति, निवेश की संभावनाएँ और अधोसंरचना विकास के विजन को देशभर के उद्योगपतियों एवं नीति निर्माताओं के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। ये आयोजन मुंबई के गोरेगांव स्थित बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय 23 अप्रैल को CMAI Fab Show में भाग लेंगे, जिसे क्लोथिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा आयोजित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमेन डेका से सीमा सुरक्षा बल के अतिरिक्त महानिदेशक ने की भेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में श्री टेकवांग नामग्याल अतिरिक्त महानिदेशक, एंटी नक्सल ऑपरेशन सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में नक्सल गतिविधियों की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया। इस अवसर पर एंटी नक्सल (ऑपरेशन) सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल श्री संजय यादव भी उपस्थित थे।

कृष्णा विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस रायपुर ने विश्व पृथ्वी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

रायपुर (विश्व परिवार)। कृष्णा विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस रायपुर ने 22 अप्रैल 2025 को विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की भागीदारी के साथ मनाया। समारोह का मुख्य आकर्षण कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में आयोजित वृक्षारोपण अभियान था। छात्रों और शिक्षकों ने पौधों की खुदाई, रोपण और पानी देने में सक्रिय रूप से भाग लिया। नए लगाए गए पेड़ों को चिह्नित करने के लिए इको फ्रेंडली साइन बोर्ड भी लगाए गए थे। वृक्षारोपण डॉ डीएन देवांगन प्रिंसिपल कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर, डॉ सीमा अग्रवाल प्रिंसिपल कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन रायपुर, डॉ चंचल दीप कौर प्रिंसिपल कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च रायपुर, श्री रजनीश नायर सीनियर एडमिन हेड कृष्णा विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस रायपुर जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। यह दिन पेड़ लगाने के महत्व पर प्रकाश डालता है, पानी बचाओ यह स्वचालित रूप से हमारे जीवन और पृथ्वी को बचाएगा। यह एक बड़ी सफलता थी।

कांग्रेस चलाएगी 40 दिवसीय 'संविधान बचाओ अभियान'

25 अप्रैल को दुर्ग जिले से निकाली जायेगी रैली, प्रदेश स्तरीय रैली, प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

प्रदेश स्तरीय रैली, जिला स्तरीय, विधानसभा स्तरीय रैली के साथ घर-घर चलेगा अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रभारी सचिव गण जरिता लैतफलांग, विजय जांगिड़, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, शामिल रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि एआईसीसी के निर्देशानुसार प्रदेश में भी 25 अप्रैल से 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान शुरू किया जायेगा। 25 अप्रैल को दुर्ग जिले से संविधान बचाओ रैली निकाली जायेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 25 अप्रैल को दुर्ग जिले में संविधान बचाओ रैली के साथ प्रदेश के सभी जिलों में 3 से 10 मई तक संविधान बचाओ रैलियां निकाली जायेगी तथा 11 से 17 मई तक प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में संविधान बचाओ रैली निकलेगी तथा 20 से 30 मई तक कांग्रेस संविधान बचाओ अभियान को घर-घर लेकर जायेगी। उन्होंने कहा कि संविधान बचाओ अभियान का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा संविधान और लोकतांत्रिक

संस्थाओं पर किये जा रहे लगातार हमलों, प्रतिशोध की राजनीति, आर्थिक कुप्रबंधन और सामाजिक न्याय के प्रणालीगत हनन का मुकाबला करना है। यह अभियान आम नागरिक की आवाज को बुलंद करेगा, जमीनी स्तर की चिंताओं को उजागर करेगा और हमारे संविधान में निहित मूल्यों पर फिर से जोर देगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अभियान के माध्यम से हम संविधान की रक्षा करने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों को बनाये रखने और हम भारतीय के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के लिये लड़ने के लिये एकजुट है। हम इस देश के गरीबों को लिये अपनी लड़ाई में अडिग रहेंगे उनके अधिकारों की वकालत करेंगे और उनकी आवाज को बुलंद करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने कहा कि दुर्ग जिले से संविधान बचाओ रैली प्रारंभ होगा। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री, विधायक एवं पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के सभी पदाधिकारी गण संविधान बचाओ अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह अभियान प्रदेश के एक-एक नागरिक तक ले जाने की जवाबदारी कांग्रेस के हर नेता की है।

एआईसीसी के सचिव एवं सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, कोविजय जागिड़, सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकित सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, उपाध्यक्षगण गुरूमुख सिंह होरा, प्रेमचंद जायसी, बिरेश ठाकुर, महामंत्रीगण दीपक मिश्रा, नरेश ठाकुर, रवि घोष, जितेन्द्र साहू, कार्यसमिति सदस्यगण लालजी चंद्रवंशी, शकुन डहरिया, सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, भोलाराम साहू, संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी, अनुपम फिलिप, डॉ. अजय साहू, शिवसिंह ठाकुर, अनिल अग्रवाल, कृष्णा दुबे, आलोक चंद्रकार, रामदेव राम, कमलकांत शुक्ला, विजय ठाकुर, अशोकराज आहुजा, आफताब आलम, आलोक सिंह, देवेन्द्र सिंह ठाकुर, राकेश सिंह, राजेश पाल, हरीश परसाई, पुरूषोत्तम गजेन्द्र, सचिव रामशंकर साहू, विमल साहू, रामदेव जगते आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों पर हुआ अमल, 11 हजार से अधिक हैंडपम्पों की मरम्मत पूर्ण

मुख्यमंत्री ने की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कामकाज की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है और इसकी गहन निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में हैंडपंपों की मरम्मत के लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों के तहत तेजी से कार्य हुए हैं और अब तक 86 मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से 11,238 हैंडपंपों की मरम्मत पूरी की जा चुकी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जहाँ भी पेयजल से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहाँ तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

- सरगुजा में खुलेगा पीएचई के मुख्य अभियंता का परिक्षेत्रीय कार्यालय
- सुशासन तिहार में विभाग को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित समाधान के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की गहन समीक्षा बैठक ली और प्रदेश में पेयजल की उपलब्धता, भूजल स्तर, जल जीवन मिशन की प्रगति और जल संरक्षण जैसे अहम मुद्दों पर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगुजा में पीएचई विभाग का मुख्य अभियंता परिक्षेत्रीय कार्यालय खोलने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'सुशासन तिहार' के दौरान प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हर घर नल से जल पहुँचाने का बड़ा संकल्प लिया है। जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को उन्होंने समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की आगामी वर्षों की कार्ययोजना की भी समीक्षा की। श्री साय ने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट से प्रभावित विकासखंडों के साथ-साथ बिना जल स्रोत वाले ग्रामों की सूची भी तैयार करें, ताकि इसे दूर करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें। श्री साय ने भूजल संकट से जूझ रहे 6 जिलों के 10 विकासखंडों को लेकर चिंता जताई और कहा कि अल्पकालिक व दीर्घकालिक योजनाएँ बनाकर जल संकट से निपटना होगा। उन्होंने रिचार्ज पिट और वर्षा जल संचयन जैसी जल संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा देने की बात कही और अनियंत्रित भूजल दोहन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कृषि, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और वन विभागों को आपसी समन्वय के साथ कैच द रेन जैसे जल संरक्षण अभियानों को सुशासन तिहार के दौरान व्यापक रूप से प्रचारित करने के निर्देश दिए।

रायपुर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए सब मिलकर काम करें : बृजमोहन अग्रवाल

रेडक्रॉस सभा कक्ष में हुई स्मार्ट सिटी की समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में स्मार्ट सिटी की समीक्षा की बैठक हुई। बैठक में रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे समेत विधायकगण एवं जनप्रतिनिधि, रायपुर संभागायुक्त श्री महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, रायपुर नगर निगर आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन उपस्थित रहे। बैठक में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए सब मिलकर काम करें। उन्होंने आईएमटीएस, 24X7, अमृत मिशन सहित स्मार्ट सिटी की अन्य योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में जिले के समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बाल श्रम के विरुद्ध कड़ा एक्शन: डॉ. वर्णिका शर्मा ने दिए प्रदेशव्यापी छापेमारी अभियान के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने कार्यभार ग्रहण के दूसरे ही दिन बाल श्रम की रोकथाम को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए प्रदेशभर में व्यापक छापेमारी अभियान के निर्देश जारी किए हैं। डॉ. शर्मा ने श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को आठ बिंदुओं पर आधारित सुनियोजित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल श्रम का उन्मूलन एक दिवस की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक सतत अभियान है, जिसे निरंतरता से संचालित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के बाल अधिकारों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध दृष्टिकोण के अनुरूप, यह पहल राज्य में बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में निर्णायक कदम के रूप में देखी जा रही है।

डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर प्रत्येक तीन माह में सात दिवसीय प्रदेशव्यापी छापामारी अभियान चलाया जाए। इस कार्यवाही में जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस प्रशासन और संबंधित थाना क्षेत्रों की भागीदारी से विशेष दलों का गठन किया जाएगा। अभियान के दौरान पाए गए बाल श्रमिकों को तत्काल आवश्यकतानुसार बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि इन कार्यवाहियों के दौरान राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (स्ह्क्क्ह्य) का पूरी तरह पालन किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम प्रतिषेध दिवस (12 जून 2025) को सार्थक बनाते हुए, प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर के समक्ष श्रम विभाग द्वारा बाल श्रम की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में मौसम ने बदले तेवर, तेज धूप के साथ भीषण गर्मी के आसार

कई जिलों में लू की आशंका

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में मौसम ने करवट बदल ली है। प्रदेश के कई हिस्सों में तेज धूप और भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में अगले 12 घंटे में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री वृद्धि होने की संभावना है। इसके बाद तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। वहीं मध्य भागों में 48 घंटे के बाद अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। उत्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में लू की स्थिति गंभीर होती जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्व पश्चिम गत मध्य पाकिस्तान और उसे सेट उत्तर पश्चिमी राजस्थान पर चक्रवती परिसंचरण से लेकर दक्षिण उत्तर प्रदेश झारखंड और उत्तर गंगीय पश्चिम बंगाल होते हुए मध्य बांग्लादेश तक औसत समुद्र से 0.9 कमी ऊपर बना हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेश में मौसम मिजाज बदला हुआ है। आने वाले दिनों में तेज धूप के साथ भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि प्रदेश के एक दो जगह पर हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। आज मंगलवार को राजधानी रायपुर में मौसम साफ रहने की संभावना है। हालांकि शाम को मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। आंशिक मेघमय रहने की संभावना है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा की समीक्षा बैठक

सुतियापाट नहर विस्तारीकरण में आ रहे अवरोधों को जल्द दूर कर निर्माण पूरा करने के दिए दिशा निर्देश

पंडरिया (विश्व परिवार)। आज जनपद पंचायत सहसपुर लोहरा में पंडरिया विधायक भावना बोहरा जी ने विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और लंबित शिकायतों और जनता द्वारा प्राप्त समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल एवं बिजली आपूर्ति के लिए व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेष रूप से अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए साथ ही विकास कार्यों को तय समय सीमा पर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में सभी जनपद सदस्य एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विधायक भावना बोहरा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत हुए सर्वे पर कार्य जल्द शुरू करने और हितग्राहियों की सूची जल्द तैयार करने, पात्र हितग्राहियों की क़िस्त की राशि जल्द प्रदाय करने तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मरम्मत एवं नवीन स्वीकृत सड़कों को जल्द पूर्ण करने की बात कही। जल आवर्धन योजना के तहत जल समस्या वाले ग्रामों में प्राथमिकता से पानी की व्यवस्था करने, जिन ग्रामों में पानी के लिए मोटर लगे है वहां बिजली विभाग से समन्वय कर जल्द बिजली कनेक्शन करने और कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने की बात कही। लो वोल्टेज की समस्या का जल्द निराकरण करने स्कूल एवं सार्वजनिक स्थान के आसपास झुके हुए तारों को व्यवस्थित करने, सूतियापाट नहर विस्तारीकरण में हो रहे समस्याओं का त्वरित निराकरण तथा ग्रामीणों को भूमि अधिग्रहण की राशि जल्द देने, जर्जर स्कूलों को चिन्हांकित कर जल्द उसका जीर्णोद्धार एवं विद्यालयों में शौच्चालय, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं तथा पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश वितरण की पूर्व में तैयारी रखने, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नियमित रूप से सेनेटरी पैड एवं रिफिलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। इसके साथ ही समय समय पर खाद्य दुकानों, राशन दुकानों का निरीक्षण करने और पात्र हितग्राहियों के राशनकार्ड बनाने के तथा विभिन्न मूलभूत समस्याओं के निराकरण हेतु समय-समय पर शिविर लगाने की बात कही।

भावना बोहरा ने कहा कि क्षेत्र का विकास और जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उन्हें सुविधाओं और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश में ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार बनने के बाद से शहरों से लेकर हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास व अधोसंरचना निर्माण के कार्य तेजी से हो रहें हैं ऐसे में समय-समय पर उन विकास कार्यों की समीक्षा अत्यंत ही आवश्यक है जिससे हम तय समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य कर सकें और जनता को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। मैंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं की किसी भी निर्माण कार्य में गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार का कोई समझौता या गड़बड़ी न हो इसका विशेष ध्यान रखें और जनता द्वारा की गई शिकायतों और समस्याओं का भी त्वरित निराकरण करने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। बैठक में सभी जनपद सदस्यों के सुझाव भी हमने सुनें और उसपर भी अमल करने की बात कही है ताकि हर क्षेत्र में विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं का लाभ सुचारू रूप से जनता को मिल सके।

एम्स रायपुर में पहली सफल किडनी पेयर (स्वैप) ट्रांसप्लांट (केपीडी)

रायपुर (विश्व परिवार)। अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, एम्स रायपुर ने नई एम्स संस्थाओं में पहली बार और छत्तीसगढ़ के किसी भी सरकारी संस्थान में पहली बार सफलतापूर्वक स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट (Kidney Paired Donation-KPD) किया है। यह उपलब्धि अंतिम चरण के गुर्दा रोग (ESRD) से जूझ रहे रोगियों के लिए अभिनव समाधान प्रदान करने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वैप ट्रांसप्लांट में, वह रोगी जिसे जीवित किडनी दाता तो उपलब्ध होता है लेकिन ब्लड ग्रुप या HLA एंटीबॉडी असंगतता के कारण प्रत्यारोपण संभव नहीं होता, वह दूसरी असंगत जोड़ी के साथ अंगों का आदान-प्रदान कर ट्रांसप्लांट करा सकता है। इस प्रक्रिया में दोनों असंगत जोड़े सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट प्राप्त कर पाते हैं।

इस प्रक्रिया के तहत बिलासपुर के दो ESRD रोगी (उम्र 39 और 41 वर्ष) जिनका तीन वर्षों से डायलिसिस चल रहा था, उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। उनकी पत्नियां किडनी दान के लिए आगे आईं, लेकिन उनके रक्त समूह उनके पति से मेल नहीं खाते थे।

कंधे के बार-बार खिसकने से युवक था परेशान, दूरबीन सर्जरी से एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मिला स्थायी आराम

रायपुर (विश्व परिवार)। कंधे की चोट और बार-बार खिसकने की समस्या से जूझ रहे एक 36 वर्षीय युवक को आखिरकार राहत मिली, जब एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर में आधुनिक तकनीक से की गई सफल दूरबीन सर्जरी (आर्थ्रोस्कोपी) द्वारा उसका उपचार किया गया। मरीज कुछ समय पहले गिरने के कारण चोटिल हुआ था, जिससे उसका कंधा पहली बार खिसका। प्रारंभ में मामूली इलाज से स्थिति संभली, लेकिन कुछ ही समय बाद उसे बार-बार कंधा खिसकने की तकलीफ होने लगी, जिससे उसकी रोजमर्रा की गतिविधियाँ भी प्रभावित होने लगीं।

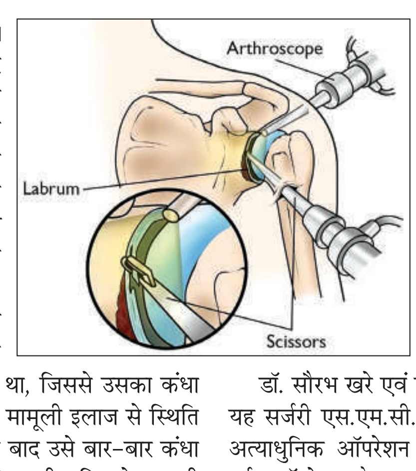

उक्त समस्या के समाधान हेतु मरीज ने एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में परामर्श लिया। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सौरभ खरे द्वारा की गई चिकित्सकीय जांच एवं शारीरिक परीक्षण के उपरांत यह संदेह उत्पन्न हुआ कि मरीज के कंधे में बैंकार्ट इंजरी है। यह एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें कंधे की झिल्ली (लेब्रम) फट जाती है, जिससे कंधा अस्थिर हो जाता है और बार-बार खिसकने की संभावना बढ़ जाती है। स्थिति की पुष्टि के लिए मरीज का MRI एवं CT स्कैन कराया गया, जिसमें साफ तौर पर बैंकार्ट इंजरी की पुष्टि हुई। इस निदान के बाद, मरीज को आर्थ्रोस्कोपिक बैंकार्ट रिपेयर सर्जरी की सलाह दी गई। इस सर्जरी में दूरबीन जैसी तकनीक का उपयोग कर बिना बड़े चीरे के कंधे की फटी हुई झिल्ली को फिर से जोड़ा जाता है। यह तकनीक कम तकलीफदेह, सुरक्षित और शीघ्र रिकवरी देने वाली होती है।

डॉ. सौरभ खरे एवं उनकी अनुभवी ऑर्थो टीम द्वारा यह सर्जरी एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर में सफलतापूर्वक की गई। ऑपरेशन के पश्चात मरीज की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है और वह पहले से कहीं अधिक सहज महसूस कर रहा है। मरीज ने बताया कि इलाज से वह पूर्णतः संतुष्ट है और अब पुनः सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है। एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर में डॉ. सौरभ खरे द्वारा कंधे एवं घुटनों की जटिल सर्जरी दूरबीन विधि से निरंतर की जा रही हैं। इस तकनीक से अब तक अनेक मरीजों को राहत मिल चुकी है। हॉस्पिटल में उन्नत मशीनें, अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सर्जिकल सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे यहाँ की गई सर्जरी अत्यधिक सफल सिद्ध हो रही हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354